हिन्दू महासभा को समर्पित पत्र

सर्वोपर देश हित

मासिक संरक्षक ॐ परमपिता परमात्मा, सहयोगी आपका स्नेह

सावरकर टाइम्स

संपादक : जंगबहादुर क्षत्रिय 9599552030 * मूल्य दो रुपए
पंजाब -07837460375 savarkartimes7@gmail.com

क्रांतिकारियों के गुरु वीर सावरकर जी

वर्ष-12 (मासिक) डाक तिथि : 11-12 जनवरी -2018 DELHIN/13377/2004 DL (E)-21/5052- नव संवत् का दसवां महीना, माघ कृष्ण पक्ष २०७४

देश का विभाजन दो विचार धाराओं पर हुआ हिन्दू एवं मुस्लिम। पापिस्तान और हिन्दुस्थान। बंटवारे के कारण 35 लाख निर्दोष हिन्दुओं का भयंकर कत्लेआम, लाखों बलात्कार और सब कुछ लुट गया। कांग्रेसियों ने हिन्दू राज के स्थान पर भारत में धर्मनिरपेक्ष (धर्मविरूद्ध या धर्म विहीन या मानवता हीन) राज्य बनाकर हिन्दुओं के साथ विश्वासघात किया और इन्हीं इस्लाम व ईसाई आतंकवाद समर्थक धर्मनिरपेक्ष नेताओं ने भारत को पुनः पतन की ओर धकेल दिया। इस्लाम व ईसाईयत विदेशी हमलावर सभ्यताएं है, भारत की नहीं। 542 वर्ष पूर्व भारत में कोई भी मस्जिद नहीं थी, 250 वर्ष पूर्व भारत में कोई चर्च नहीं था। देश के धर्मनिरपेक्ष नेता राष्ट्रभक्त नहीं स्वार्थी सत्तालोलुप और देशद्रोही हैं। मूल निवासी हिन्दुओं का अस्तित्व एवं सम्मान सत्ता में हिन्दू महासभा को लाए बिना संभव नहीं। यदि अंग्रेज विदेशी हैं तो मुसलमान स्वदेशी कैसे- स्व. चमन लाल क्षत्रिय

बसंत महाउत्सव धर्मवीर हकीकत राय बलिदान मनाने के लिए सभी धार्मिक व सामाजिक संस्थाओ से मनाने की अपील-क्षत्रिय

अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता जंगबहादुर क्षत्रिय ने कहा कि २२ जनवरी को देश के सभी धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं धर्मवीर बाल हकीकत राय का बलिदान पर नई पीढ़ी को उन्ही का जीवन दर्शाएं। इस्लामिक सरकारों द्वारा छोटे-छोटे हिन्दू बच्चों की हत्या कि है। उनकी याद में और बसंत महाउत्सव पर खीर-हलवा का प्रसाद बांटे।

भारत के महान क्रांतिकारियों की सरकार सहित सभी दल उपेक्षा कर रहे हैं

सनातन धर्म समिति पंजाब के अध्यक्ष रवि शंकर शर्मा ने पं. मदन मोहन मालवीय जी की जयंती पर पुष्प माला अर्पित करते हुए कहा देश को आजाद कराने वाले महापुरुषों का सभी राजनैतिक दल अपमान कर रहे हैं। मा. केवल कृष्ण शर्मा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज देश को राजनैतिक दलों ने निजी स्वार्थों के लिए देश में विघटन के बीज बो रहे हैं पं. गिरधारी लाल, वीरेंद्र शर्मा, परवीन कोहली, सुनील शर्मा, यश पहलवान, जसवंत खोसला, विमला शर्मा, शशि शर्मा, राकेश विठाल आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

लोकतंत्र का अर्थ विघटन करना नहीं है देश के सभी राजनैतिक दल लोकतंत्र का अपमान कर रहे हैं - जितेंद्र सिंह

अखिल भारत हिन्दू महासभा के अध्यक्ष श्री जितेंद्र सिंह विसेनने एक प्रेस नोट में बताया कि लोकतंत्र का जो वास्तविक अर्थ सभी को लोकतंत्र में जोड़ने का है देश के सभी राजनैतिक दल कुर्सी के लिए देश को विघटित कर राष्ट्र का अपमान कर रहे हैं, श्री विसेन जी ने आगे कहा कि देश के सभी प्रांतों में राष्ट्रीय विशेष अधिकार को तुरंत समाप्त कर देना चाहिए और जातिवाद, छुआछूत, दलित सौ करोड़ हिन्दुओं के किसी भी ग्रंथ में उल्लेख नहीं है तथा विशेष कल्याण को ही एक मान्यता धरोहर के रूप में मनाया जाता है।

हिन्दू किसे कहते हैं?

आ सिंधु-सिंधु पर्यन्ता यस्य भारत भूमिका। पितृभू-पुण्यभू मुश्चेव सा वै हिंदू रीती स्मृता।।

इस श्लोक के अनुसार भारत के वह सभी लोग हिंदू हैं जो इस देश को पितृभूमि-पुण्यभूमि मानते हैं। इनमें सनातनी, आर्यसमाजी, धर्म विचार को मानने वाले व उनका आचरण करने वाले समस्त जन को हिंदू के व्यापक दायरे में रखा गया था। मुसलमान व ईसाई इस परिभाषा में नहीं आते थे। अतः उनको इस मिलीशिया में ना लेने का निर्णय लिया गया और केवल हिंदुओं को ही लिया जाना तय हुआ।

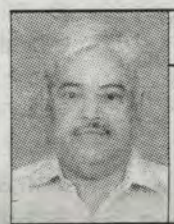

महेश चन्द्र अग्रवाल

जिला संयोजक, नई दिल्ली सांस्कृतिक प्रकोष्ठ

नव वर्ष, लोहड़ी, पोंगल, मकर सक्रांति, गणतंत्र दिवस व नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय जनता पार्टी जिला नई दिल्ली

पताः 14, पण्डित पंत मार्ग, नई दिल्ली-110001
2232, राजगुरु रोड, चूना मण्डी पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055
फोन नं. - 011-23712744, मो. 930887559, 9213165711
Email-maheshaggarwal034@gmail.com

नव वर्ष की हार्दिक शुभ कामनाएं

अन्तर्राष्ट्रीय क्षत्रिय राजपूत संघ (भार.) ट्रस्ट रजि.

राजेंद्र सिंह गौर

राष्ट्रीय महासचिव
अन्तर्राष्ट्रीय क्षत्रिय राजपूत संघ (भार.)
राष्ट्रीय महासचिव कार्यालय
बिजावर मंदिर, राम घाट के सामने,
चित्रकूट धाम, सतना (म.प्र.)485221

संपर्क सूत्र - 09958420339
e-mail:akrsb1957@gmail.com
Website:www.akrsb.org

AMAR
BATTERIES & ELECTRICALS
Auth. Distributor : PRESTOLITE Batte
ACTION BATTERIES Haycock BATTERIES
Auth. Dealer:
EXIDE BATTERIES AMARON TATA
MICROTEK Su Kam
B-11, Super, Bazar, D.D.A.
Mkt. Vivek Vihar-Delhi-95
Ph. 22150396, 22159757

Mob. 9999994910
9899822518
SHRI RAMRAJ ASSOCIATES
SAIE. PURCHASE & COLLABORATION
7/388, Swami Amar Dev Marg.
Jwala Nagar, Shahdara, Delhi-32

GOBIND MEDICAL STORES
GMS
COUNTER DELIVERY
1715/2, MANGAL BUILDING, BHAGIRATH PALACE, DELHI-110006
Phones : 2386767, 9811457330, 9911022245,
Email : sgms_rakesh@yahoo.co.in
S.T. No. : LC/14/000409/05/71 D.L. No. 26(375)20B&21B TIN: 07820000409

सावरकर टाइम्स हिन्दू राज्य की लोकतंत्र प्रणाली की नई पीढ़ी को सही जानकारी प्राप्त करने के लिए आपके आर्थिक सहयोग की अति आवश्यकता है।
स्टेट बैंक हैदराबाद ब्रांच, ए-22 विवेक विहार दिल्ली-95
हमारा खाता नं. 62384620050 —संपादक

कोई धोखा नहीं, कोई लूट नहीं

कोलोबोरेशन पर या ठेके पर मेटीरियल सहित मकान/कोठी बनवाने के लिए मिलें

1. पूरी ईमानदारी मिलेगी।
2. मनमर्जी का तय किया हुआ मेटीरियल मिलेगा।
3. मनमर्जी का पीओपी, वुडवर्क और बाथरूम मिलेगा।
4. लैंटर और पिलर, बीम भरपूर सरिये व सिमेंट के होंगे।
5. निर्माण का पीरियड, रेट एवं शर्ते भी अन्य ठेकेदारों के मुकाबले लाभदायी आपके लिए होंगी।
6. हमारी ईमानदारी की चेकिंग हेतु आप अपना सुपरवाइज़र बिठा सकते हैं। उसकी तनख्वा हम देंगे।

आलोक जिंदल-9811112571

क्या वाकई हमारे शरीर के भीतर आत्मा का वास है?

सं. महंत नारायणपुरी, लुधियाना

विज्ञान और धार्मिक मान्यताएं हमेशा एक दूसरे के विरोध में रहे हैं। विज्ञान पर विश्वास करने वाले व्यवहारिक लोग कभी पारंपरिक मान्यताओं को स्वीकार नही कर पाते और पारंपरिक विचारधारा वाले लोग ये मानते हैं कि विज्ञान जिसे नकारता प्रतीत होता है वह उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

खैर ये विरोध और भिन्न मान्यताएं तो सदियों से मनुष्य के सामने मौजूद रही हैं, इनमें कुछ नया तो नहीं है लेकिन एक ऐसा सवाल है जो जितना पुराना होता जाता है उतना ही रहस्यमय प्रतीत होने लगता है।

यह एक ऐसा सवाल है जो व्यवहारिक और पारंपरिक लोगों से हटकर कभी-कभी हमारे भीतर भी कौंधने लगता है कि क्या वाकई आत्मा का वजूद है? क्या सच में हमारे शरीर के भीतर आत्मा है जो अमर है, जो मृत्यु के साथ ही हमारा साथ छोड़कर चली जाती है? मॉडर्न साइंस भी आजकल इस सवाल का जवाब ढूंढने में लगी है कि क्या वाकई आत्मा का वजूद है? आज हम आपके समक्ष कुछ ऐसे उदाहरण प्रस्तुत करेंगे, कुछ ऐसे सत्य बताएंगे जिन्हें जानने के बाद आप स्वतः ही यह विश्वास करने लगेंगे कि हमारे शरीर के भीतर वाकई आत्मा रहती है।

पहला उदाहरण या कहें जवाब हमें महाभारत काल में मिलता है, जब धर्मराज युधिष्ठिर से यह प्रश्न किया जाता है कि इस दुनिया में सबसे खूबसूरत चीज क्या है?

इस सवाल के जवाब में धर्मराज कहते हैं कि मनुष्य अपने जीवनकाल में पहुत से लोगों को मृत्यु के आगोश में जाते हुए देखता है, लेकिन फिर भी वह अपना हर दिन ऐसे बिताता है जैसे कि उसका कोई अंत ही नहीं है, जीवन से उसका मोह उसे यह यकीन नहीं होने देता कि वह भी कभी मरने वाला है। मनुष्य के भीतर यह उत्साह जीवन के प्रति इस कदर चाह उसे अपने भीतर बैठी आत्मा से ही मिलती है। आत्मा अजर-अमर है, उसका ना कोई अंत है और न ही शुरुआत, आत्मा जानती है कि वह कभी नहीं मर सकती सिर्फ शरीर का साथ छोड़ सकती है। यही वजह है कि उसकी आत्मा ही उसने हंसने बोलने उत्साहित जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है, यह जानते हुए भी कि शरीर किसी भी क्षण साथ छोड़ सकता है, आत्मा ही व्यक्ति को मोह नहीं छोड़ने देती। मनुष्य हमेशा से ही उत्कृष्ट रहना चाहता है, इतना ही नहीं वह अपने जीवन में आने वाले हर व्यक्ति माता-पिता भाई-बहन जीवनसाथी आदि सभी से ही यही चाहत करता है कि वह हर तरह से परफेक्ट हों।

जब भी व्यक्ति की यह चाहत पूरी नहीं हो पाती तो वह भीतर से परेशान हो जाता है, उसे अपने जीवन में कमियां नजर आने लगती है। कभी आपने सोचा है परफेक्ट होने की यह चाहत उसके भीतर कैसे उपजी? इस सवाल का जवाब भी उसीके भीतर बैठी आत्मा ही है जो हर तरीके से परफेक्ट है। उस आत्मा को समझने के लिए हम स्वयं परफेक्ट होना चाहते हैं।

ऐसा नहीं है कि हम अपनी मर्जी से आत्मा को समझने उसकी तरह निपुण होने की कोशिश करते हैं, दरअसल हमारी आत्मा ही हमें बेस्ट होने के लिए प्रेरित करती है। हमारे अंदर की आवाज ही हमें यह प्रेरणा देती है कि हमें सब कुछ सही और उत्कृष्ट चाहिए जब भी मनुष्य जीवन की बात होती है, विज्ञान इसे विकासपरक प्रेरणा का ही परिणाम मानता है। लेकिन बात केवल यही तक सीमित नहीं है, जीवन का उद्देश्य विकास से कहीं आगे है। जीवन का उद्देश्य क्या है? अच्छे-बुरे हालातों में व्यक्ति क्यों जीने के लिए ललचाता है? वह क्यों हर हाल में जीने की इच्छा करता है? सिर्फ मृत्यु के उस एक क्षण से भागने के लिए व्यक्ति जीने की हर संभव कोशिश करता है, लेकिन क्यों? जीवन का उद्देश्य बस सर्वश्रेष्ठ की उत्तरजीवित पर ही सीमित नहीं है। मनुष्य जीवन त्याग और दूसरों के लिए जीने की बात भी कहता है। जब हम अपनी भीतरी प्रकृति यानि अपनी आत्मा को समझ लेते हैं। जिस तरह बीज को पौंधा बनने के लिए सही तापमान खाद और पानी की आवश्यकता होती है, कुछ इसी तरह हमें अपनी प्रकृति यानि अपनी आत्मा को पहचानने के लिए सही क्षण उपयुक्त समय की जरूरत होती है। ये तीन बिंदु जिन्हें आप जीवन का सत्य भी कह सकते हैं, इस बात को प्रमाणित करते हैं कि आत्मा है और हमारे शरीर के भीतर अपनी एक बड़ी पहचान स्थापित किए हुए हैं।

देश में हिन्दू के रूप में जीना है तो राजनीति में हिन्दू के रूप में खड़े हों। हिन्दू महासभा के सदस्य बने और बनाएं।

संपादक

Aggarwal Sports
Dealers & Suppliars of sports Goods, Indoor Games, Musical Instruments, Sports Wears & Sports Shoes Specialist in: All kind of Sports Goods
Ph: 22307151, 9811667151

Vinay K. Chadha Ph: 2213534, 2283534
New Calcutta Jewellers (Regd.)
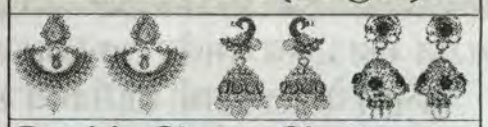
Double Storey Showroom
Gold Diamond & Silver Showroom
Shop: Chowk Phullan Wala, Bazar Kalan, Jalandhar

Authorised Sale & Service Dealers:
GENERAL, LG, ONIDA, HITACHI, Panasonic, BLUE STAR, DAIKIN, LUMINOUS, EXIDE
Gourav Singhal
22154516
22157597
9810420396

Santosh Enterprises
25/1 SHIVA KHAND OPP VIVEK VIHAR, PHASE-II DESU OFFICE. DELHI-95
E-mail santosh1_enterprises@rediffmail.com

Vishal Goyal 9999359623
Ayush Jain 8800716797
Goyal Sheet Cutter
MS SHEET AVAILABLE
SS Cutting upto 6mm & Lenght 8 ft.
10335, Sadar Thana Road, Motia Khan, New Delhi-110055

KE Ph. : 23412488, 23414696
Kurta Emproium
INDIA'S LEADING STORE FOR LUCKNAWI CHICKEN WORK & FANCY KURTA PYJAMA
E-mail: Lucknowsewa@rediffmail.com
12, Shanker Market, Connought Plaee, New Delhi-01

नेत्रदान महादान महाकल्याण
दृष्टि जीवन है
AGIFT ONLYYOUCANGIUE- वह अमूल्य उपहार जो आप ही दे सकते हैं मृत्योपरांत राष्ट्र को नेत्रदान करने का आज ही संकल्प करें। आपका नेदान दो व्यक्तियों को जीवन ज्योति देगा। नेत्रदान संबंधी जानकारी हेतु संपर्क करें:-
रमेश चंद्र लूथरा-85, जागृति एन्क्लेव फेस-III दिल्ली-92
(M) 9873241771 (R) 01122145303
(DIRECTOR/COORDINATOR-EYEDONATION PROJECT)
महावीर इंटरनेशनल (रजि. स्वयं सेवी संस्था), 6550 मेन कुतुब रोड नवी करीम, नई दिल्ली-55, फोन-01123526502, 01123510770

P.K. PAINT & HARDWARE STORE
SHUNTY AHUJA, LOKESH AHUJA
DEAKSIN:PAINT, PRIMER OBD & HARDWAREMATERIAL ETC
27/38, JWALA NAGAR, SHAGDARA, DELHI-110032
Ph. 9811470111, 9213731331, 22301603

Raman Kumar
Lead Advisor
Email:rkon62@gmai.com
RKON
m 09815893411
ISI Marka
EXPORT & CONSULTANT
- ISO 9001,ISO 140001, OHSAS, 18001, ISO 22000, HACCP, ISO/TS 16949
- ISO 20000, ISO 27001, ISO 13485, ISO 10002, SA 8000, SRM Certification
- CGMP, HALAL, BRC, Certificate, GAIN Certificate, CE Mark Certificate, NABH, NABL ApprovedTest Report
- Liasoning for ISI Mark Certificate , CPWD, DGS&D ,NSIC, BEE, Star Rating, FPO , MFPO Registration
- IE Code ISBN NO. , trademark , Logo, Copy right ,& other Registration

Regd. Off.: B-III/772, New grain Market Road, Jalandhar City. 144008 (India)

सोना चांदी धाम
Aggarwal
Silver Palace
528, Maharaja Agrasen Marg, Bara Bazar
Opp. Aggarwal; Sports, Shahdra, Delhi-32
9911167151, 22307152

हमारा खाता नं. 62384620050 जंगबहादुर क्षत्रिय, मो. 9599552030 स्टेट बैंक हैदराबाद ब्रांच, ए-22 विवेक विहार दिल्ली-95 पर आर्थिक सहयोग देकर कृतार्थ करें।

संपादक, मुद्रक, प्रकाशक: जंगबहादुर क्षत्रिय, 9599552030, डॉ. संतोष राय प्रबंध संपादक-9999188800, मुरारी लाल लोहरा 9350895166, लखी चंद बंसल, नारायणा, दिल्ली 09810085046, अजय दत्त गौड़, 9911926255, कृष्णा नगर, दिल्ली-9871315350, आलोक जिंदल दिल्ली-9811112571, महेंद्र सिंह- 9312295299, दीपक चोपड़ा कार्यध्यक्ष-08459515751,
कार्यालय- 7/377, ज्वाला नगर, शाहदरा, दिल्ली-32, कानूनी सलाहकार: डॉ. बी.पी. शर्मा, अधिवक्ता रामजन्म भूमि। किसी भी लेख से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली कोर्ट ही होगा। कोर्ट से पहले मुकदमा प्रेस काउंसिल से जीतना होगा। हमारा उद्देश्य धन कमाना बिल्कुल भी नहीं है। केवल और केवल राष्ट्र रक्षा एवं धर्म रक्षा है। प्रकाशित बालाजी आफसेट नवीन शाहदरा, दिल्ली-32।

कुरान व बाइबिल कहते हैं जो मुझे नहीं मानते वे काफिर हैं धर्म तो केवल हिन्दू है मिलाकर देखें

संग्रहकर्ता - सेठ रोशन लाल अग्रवाल

संख्याबल भी एक शक्ति ही है।

(आगे से)

आपकी उसी दृष्टि को मुसलमानों की एक मिशनरियों की संख्या बढ़ाने वाली हठधर्मी के पहाड़ के समान पुतली दिखाई न देती हो, यह तो संभव ही नहीं। तो फिर आप उसके तबलीघ परिषदों में और मिशन हालों में जाकर भाषण क्यों नहीं देते हो कि, अरे पगलों, संख्याबल तुच्छ है। तुम केवल संख्या को क्यों बढ़ाते हो? यदि हिन्दू तुम्हारे लोगों को शुद्ध कर लेते हों, तो, करने दो, यदि उससे तुम्हारी संख्या घट जाये. तो जो शेष होंगे उनकी गुणरूपी शक्ति को बढ़ाने का कार्य तुम्हारे लिये अधिक सरल एवं सुखावह होगा।

ये देखो जीना महोदय, वे अब्दुल रहमी देखो, वे गजनवी दखो, चोरी के बदले में दस बार कारावास का दण्ड भोग कर अपराधी बार चोरी करने का अवसर मिलने तक खिलाफत आंदोलन का स्वयंसेवक बनकर घूमने वाला यह गुण्डा देखो-प्रत्येक मुसलमान, संख्या? संख्या? कहकर दहाड़ रहा है। हमारी संख्या अधिक होने से हमें पंजाब एवं बंगाल में अधिकार के स्थान अधिक संख्या में दो। हमारी संख्या कम होने से हमारे विशिष्ट हितों की रक्षा हेतु हमें बम्बई तथा मद्रास में अधिक संख्या में स्थान दो। ग्रामों में हमारी संख्या इतनी होने से लोकल बोर्ड में स्थान दो, नगरों में इतनी संख्या होने से नगर संस्था में, प्रदेश में इतनी संख्या होने से विधानसभा में अधिक स्थान दो। गवर्नर के पद से चपरासी तक, हमारी संख्या इतनी होने से हमारे लिए इतने स्थान सुरक्षित रखो! इस प्रकार इधर-उधर सब दूर मुसलमानी मुखों से, मस्तिष्कों से, मनों से संख्या! बढ़ाओ! संख्या! ऐसी अविरत चलने वाली दहाडें, शुद्धि कीपतली तूती भी जिन्हें सुनाई देती हो ऐसे सूक्ष्म तंतुओं से बने कानों को सुनाई नहीं देती क्या? तो फिर आप अपने इस मूल्यवान सिद्धांत का उपदेश उन्हें क्यों नहीं देते? मुसलमान मेरे बंधु हैं, ईसाई मेरे मित्र हैं, ऐसा कहने वाली ऐ भूतदया! संख्याबल के उन्माद से बौराए हुए इन भूतों की ओर तेरी अल्प सी कृपादृष्टि भी क्यों नहीं होती? संख्याबल के नाम पर हिन्दुओं के बच्चे और कुवांरियां उन विधर्मी गुण्डों द्वारा अपहृत कर ले जाने के समाचार जब सदा ही समाचार पत्रों में और अभियोग विभिन्न न्यायालयों में आते हैं तब तुम्हारे पत्रों से या मुखों से उसका उल्लेख भी नहीं होता यह बात भर समझ में नहीं आती। हिन्दुओं पर ही तेरी इतनी कृपा कैसी? थोड़ी दया करो और आते-जाते हिन्दुओं के सिर पर सवार न होकर संख्याबल के उन्माद से जर्जर बने उन तंझीम तबलीघ की ओर जरा सी अपनी दृष्टि तो डालो। हे वैद्यराज कृपया हमारा थोड़ा सा तो विस्मरण आपको होने दो।

निरे संख्याबल में क्या है, ऐसा कहने वाले धूतों को एक बार यह खरी-खरी सुनाना आवश्यक है कि आपके कथनानुसार शुद्धि केवल संख्याबल के वर्धन हेतु ही आवश्यक है ऐसा भी यदि मान लें तो भी वह आवश्यक ही हैं, क्योंकि संख्याबल भी एक बल ही है, शक्ति ही है। सर्वप्रथम यह ध्यान में रखना चाहिये कि यदि समाज जाति अस्तित्व में होगी तब ही तो उसमें गुणरूपी शक्ति बढ़ाने का प्रश्न उत्पन्न होता है। विधर्मियों की हजारों वर्षों से चली आ रही धींगामस्ती से एक-एककर सभी हिन्दुओं को विधर्म में लूट ले जाने के पश्चात यदि गुणरूपी शक्ति बढ़ाये तो किनमें बढ़ायें? गुण का अधिष्ठान ही यदि नष्ट हो जाये, हिन्दू जाति ही यदि शेष न रही, तो फिर उन्नति करें तो किसकी करें? यदि आप यह कहना चाहते हो कि जो शेष है उनकी उन्नति करो, तो फिर यदि प्रतिकार हीन किया जाये तो जो गये हैं उनके ही अनुसार जो शेष हैं, वे भी नष्ट या भ्रष्ट हो ही जाएंगे।दूसरी बात यह है कि किसी भी व्यक्ति के या समाज के गुणरूपी शक्ति के बढ़ने की भी कोई सीमा होती है, चींटी की शारीरिक या मानसिक खुराक चाहे जितनी बढ़ाओ, वह हाथी तो हो नहीं सकती। घास का तिनका कितनी भी खाद क्यों न डालो घास का तिनका ही रहेगा। यदि उस घास के तिनके से हाथी को बांधना हो तो गुणवर्धन की पूर्णता प्राप्त करने के पश्चात् भी जिस शक्ति को सम्पादित करना गुणवर्धन की प्राकृतिक कक्षा के बाह्य होने के कारण उसके लिए असंभव होता है, उनकी पूर्ति संख्याबल से ही करनी पड़ती है।

(शेष अगले अंक में)

संग्रहकर्ता - प्रो. ए.के. मल्होत्रा

अथ चतुर्दशसमुल्लासारम्भः

अथ यवनमतविषयं व्याख्यास्यामः

(समीक्षक) ऐसी अश्लील बातें खुदा की पुस्तक में खुदा की क्या और सभ्य मनुष्य की भी नहीं होती। जब कि मनुष्यों में ऐसी बातों का लिखना अच्छा नहीं तो परमेश्वर के सामने क्योंकर अच्छा हो सकता है? ऐसी-ऐसी बातों से कुरान दूषित होता है। यदि अच्छी बात होती तो अति प्रशंसा होती, जैसे वेदों की।।११३।।

११४-क्या नहीं देखा तूने कि अल्लाह को सिजदा करते हैं जो कोई बीच आसमानों और पृथिवी के हैं, सूर्य और चन्द्र तारे और पहाड़, वृक्ष और जानवर।। पहिनाये जावेंगे बीच उसके कंगन सोने और मोती के और पहिनावा उनका बीच उसके रेशमी हैं।। और पवित्र रख घर मेरे को वास्ते गिर्द फिरने वालों के और खड़े रहने वालों के।। फिर चाहिये कि दूर करें मैल अपने और पूरी करें भेंटें अपनी और चारों ओर फिरें घर कदीम के।। ताकि नाम अल्लाह का याद करें।।

-मं.४। सि. १७। सू. २२। आ.१८।२३।२६।३३।।

(समीक्षक) भला! जो जड़ वस्तु हैं, परमेश्वर को जान हीनहीं सकते, फिरे वे उसकी भक्ति क्योंकर रकर सकते हैं? इससे यह पुस्तक ईश्वरकृत तो कभी नहीं हो सकता किंतु किसी भ्रांत का बनाया हुआ दीखता है। वाह! बड़ा अच्छा स्वर्ग है जहां सोने मोती के गहने और रेशमी कपड़े पहिरने को मिलें। यह बहिश्त यहां के राजाओं के घर से अधिक नहीं दीख पड़ता। और जब परमेश्वर का घर है तो वह उसी घर में रहता भी होगा फिर बुत्परस्ती क्यों न हुई? और दूसरे बुत्परस्तों काखण्डन क्यों करते हैं? जब खुदा भेंट लेता, अपने घर की परिक्रमा करने की आज्ञा देता है और पशुओं को मरवा के खिलातप है तोयह खुदा मंदिर वाले और भैरव, दुर्गा के सदृश हुआ और महाबुत्परस्ती का चलाने वाला हुआ क्योंकि मूर्तियों से मस्जिद बड़ा बुत है। इससे खुदा और मुसलमान बड़े बुत्परस्त और पुराणी तथा जैनी छोटे बुत्परस्त हैं।।११४।।

११५-फिर निश्चय तुम दिन कयामत के उठाये जाओगे।।

-मं.४। सि. १८। सू. २३। आ.१६।।

(समीक्षक) कयामत तक मुर्दे कबरों में रहेंगे वा किसी अन्य जगह? जो उन्हीं में रहेंगे तो सड़े हुए दुर्गंधरूप शरीर में रहकर पुण्यात्मा भी दुख भोग करेंगे? यह न्याय अन्याय है। और दुर्गंध अधिक होकर रोगोत्पत्ति करनेसे खुदा और मुसलमान पापभागी होंगे।।११५।।

११६-उस दिन की गवाही देवेंगें ऊपर उनके जबाने उनकी और हाथ उनके अइौर पांव उनके साथ उस वस्तु क कि थे करते।। अल्लाह नूर है आसमानों का और पृथिवी का, नूर उसके कि मानिन्द ताक की है बीच उसके दीप हो और दीप बीच कंदील शीशों के हैं, वह कंदील मानो कि तारा है चमकता, रोशन किया जाता है दीपक वृक्ष मुबारिक जैतून के से न पूर्व की ओर है न पश्चिम की, समीप है तेल उसका रोशन हो जावे जो न लगे ऊपर रोशनी के मार्ग दिखाता है अल्लाह नूर अपने के जिसको चाहता है।।

-मं.४। सि. १८। सू. २४। आ.२४।३५।।

(समीक्षक) हाथ पग आदि जड़ होने से गवाही कभी नहीं दे सकते यह बात सृष्टिक्रम से विरुद्ध होने से मिथ्या है। क्या खुदा आगी बिजुली है? जैसा कि दृष्टान्त देते हैं ऐसा दृष्टान्त ईश्वर में नहीं घट सकता। हां! किसी साकार वस्तु में घट सकता है।।११६।।

११७-और अल्लाह ने उत्पन्न किया हर जानवर को पानी से बस कोई उनमें से वह है कि जो चाहता है पेट अपने के।। और जो कोई आज्ञा पालन करें अल्लाह की रसूल उसके की। कह आज्ञा पालन करे खुदा की रसूल उसके की और आज्ञा पालन करो रसूल की ताकि दया किये जाओ।।

-मं.४। सि. १८। सू. २४। आ.४५।५२।५६।।

(शेष अगले अंक में)

संग्रहकर्ता - टी.डी. चांदना आगरा

अथ त्रयोदशसमुल्लासारम्भः

अथ कृश्चीनमतविषयं व्याख्यास्यामः

(समीक्षक) तब उन्होंने उत्तर दिया वह वध के योग्य है।। तब उन्होंने उसके मुंह पर थूंका और उसे घूंसे मारे। औरों ने थपेड़े मार के कहा, हे खीष्ट! हमसे भविष्यद्वाणी बोल किसने तुझे मारा। पितर बाहर अंगने में बैठा था और एक दासी उसके पास आके बोली तू भी यीशु गालीली के संग था। उसने सबों के सामने मुकर के कहा मैं नहीं जानता तू क्या कहती है।। जब वह बाहर डेवढ़ी में गया तो दूसरी दासी ने उसे देख के जो लोग वहां थे उनसे कहा यह भी यीशु नासरी के संग था।। उसने क्रिया खाके फिर मुकरा कि मैं उस मनुष्य को नहीं जानता हूं।। जब वह धिक्कार देने और क्रिया खाने लगा कि मैं उस मनुष्य को नहीं जानता हूं।

-ई.म.प. २६। आ. ४७। ४८। ४९। ५०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६।६७।६८।६९।७०।७१।७२।७४।।

(समीक्षक) अब देख लीजिये कि जिसका इतना भी सामर्थ्य वा प्रताप नहीं था कि अपने चेले का भी दृढ़ विश्वास करा सके। और वे चेले चाहे प्राण भी क्यों न जाते तो भी अपने गुरु को लोभ से न पकड़ाते, न मुकरते, न मिथ्याभाषण करते, न झूठी क्रिया खाते। और ईसा भी कुछ करामाती नहीं था, जैसा तौरेत में लिखा है कि लूत के घर पर पाहुनों को बहुत से मारने को चढ़ आये थे। वहां ईश्वर के दो दूत थे उन्होंने उन्हीं को अंधा कर दिया। यद्यपि वह भी बात असंभव है तथापि ईस में तो इतना भी सामर्थ्य न था और आज कल कितना भड़वा उसके नाम पर ईसाईयों ने बढ़ा रक्खा है। भला! ऐसी दुर्दशा से मरने से आप स्वयं जूझ वा समाधि चढ़ा अथवा किसी प्रकार से प्राण छोड़ता तो अच्छा था परंतु वह बुद्धि बिना विद्या के कहां से उपस्थित हो? वह ईसा यह भी कहता है कि।।८८।।

८९- मैं अभी अपने पिता से विनती नहीं करता हूं और वह मेरे पास स्वर्गदूतों की बारह सेनाओं से अधिक पहुंचा न देगा? -ई.म.प. २६। आ. ५३।।

(समीक्षक) धमकाता जाता, अपनी और अपने पिता की बड़ाई भी करता जाता पर कुछ भी नहीं कर सकता। देखो आश्चर्य की बात! जब महायाजक ने पूछा था कि ये लोग तेरे विरुद्ध साक्षी देते हैं इसका उत्तर दे तो ईसा चुप रहा। यह भी ईसा ने अच्छा न किया क्योंकि जो सच था वह वहां अवश्य कह देता तो भी अच्छा होता। ऐसी बहुत सी अपने घमण्ड की बातें करनी उचित न थीं और जिन्होंने ईसा पर झूठा दोष लगाकर मारा उनको भी उचित न था। क्योंकि ईसा का उस प्रकार का अपराध नहीं था जैसा उसके विषय में उन्होंने किया। परंतु वे भी तो जंगली थे। न्याय की बातों को क्या समझें? यदि ईसा झूठ-मूठ ईश्वर का बेटा न बनता और वे उसके साथ ऐसी बुराई न बर्त्तते तो दोनों के लिये उत्तम काम था। परंतु इतनी विद्या, धर्म्मात्मता और न्यायशीलता कहांसे लावें?।।८९।।

९०-यीशु अध्यक्ष के आगे खड़ा हुआ और अध्यक्ष ने उससे पूछा क्या तू यहूदियों का राजा है? यीशु ने उनसे कहा आप ही तो कहते हैं।। जब प्रधान याजक और प्राचीन लोग उस पर दोष लगाते थे तब उसने कुछ उत्तर नहीं दिया।। तब पिलात ने उससे कहा क्या तू नहीं सुनता कि ये लोग तेरे विरुद्ध कितनी साक्षी देते हैं।। परंतु उसने एक बात का भी उसको उत्तर न दिया। यहां लों कि अध्यक्ष ने बहुत अचम्भा किया। पिलात ने उनसे कहा तो मैं यीशु से जो खीष्ट कहावता है क्या करूं।। सभें ने उससे कहा वह क्रूश पर चढ़ाया जावे।। और यीशु को कोड़े मारे के क्रूश पर चढ़ाया जाने को सौंप दिया।। तब अध्यक्ष के योद्धाओं ने यीशु को भवन में ले जा के सारी पलटन उस पास इकट्ठी की। और उन्होंने उसका वस्त्र उतार के उसे लाल बाना पहिराया। और कांटों कामुकुट गूंथ के उसके सिर पर रक्खा और उसके दाहिने हाथ में नर्कट दिया।। और उसके आगे घुटने टेक के यह कह के उससे ठट्ठा किया हे यहूदियों के राजा प्रणाम।। और उन्होंने उस पर थूका और उस नर्कट को ले उसके सिर पर मारा। जब वे उससे ठट्ठा कर चुके तब उससे वह बागा उतार के उसी का वस्त्र पहिरा के उसे क्रूश पर चढ़ाने को ले गये।।

(शेष अगले अंक में)

हकीकत को प्राणदण्ड देना कुफर है न्याय नहीं

हकीकत मेरी निगाह में निर्दोष है

इसे मृत्यु या मुसलमान बनाने का दंड देना महापाप है : मुस्लिम जज

लेखक चमन लाल क्षत्रिय
(संपादक वीर सावरकर)

हकीकत अकड़ कर कहे जा रहा है। मैं हिन्दू हूं हिन्दू ही रहूंगा, नवाब साहब तथा लाहौर हाई कोर्ट के जज हकीकत को मुसलमान बन जाने का दबाव दे रहे हैं। और अपनी लड़की की शादी करने का लालच दिया था

मुहम्मदशाह रंगीला का शान था (यह घटना 1740 की है) : वीर हकीकत राय को रावी नदी के किनारे पर कत्ल किया गया था। बाद में हकीकत राय के शरीर को उनके परिजनों को सुपर्द करके परिवार वालों ने वसंत पंचमी वाले दिन दाह संस्कार कर दिया जहां प्रति वर्ष लाहौर की जनता ने इसीदिन उसी स्थान पर मेला लगाना शुरू कर दिया।

धर्मवीर हकीकत राय जन्म स्यालकोट में हुआ था। उनके पिता जी का नाम लाला भागमल तथा माताजी का नाम कारा था। स्यालकोट धर्म नगरी कहलाता था। यह आज कल पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का प्रसिद्ध नगर है। हकीकत के पिताजी स्यालकोट के धनवान व्यापारी थे। वह बहुत ईमानदार और धार्मिक प्रवृत्ति के थे। खूब मान-सम्मान था उनका। उनकी दयालुता एवं दान वीरता पर सभी मुग्ध थे। अपने परिश्रम की कमाई से उन्होंने जो दो मंदिर बनवाए थे, उनमें नौजवानों के व्यायाम के लिए मुगदर, डम्बल और वजन उठाने का सामान भी भेजा, ताकि हिन्दू युवकों में सशक्त बनने की रूचि जागृत हो। उनका मानना था कि प्रभु ने धन दिया हो तो उसे अपनी जाति को सबल बनाने पर व्यय करना चाहिए। हकीकत राय के माता-पिता प्रातः 4 बजे उठ जाया करते थे। पति-पत्नी दोनों प्रतिदिन हवन करके अपने दोनों मंदिरों में जाया करते थे। उन्होंने हकीकत राय को परिश्रमी, निर्भीक तथा धर्म रक्षक बनाने में कोई कमी न रखी थी। घर के पावन प्रेरक वातावरण ने बालक हकीकत को धर्मवीर बनाया। वह धर्मवीर हकीकत के रूप में चमका।

हकीकत राय का स्कूल जाना

हकीकत राय को घर में धार्मिक शिक्षा दी गई। मंदिर के पुजारी शत्रुघ्न ने बालक हकीकत राय को रामायण की चौपाईंये, गीता के श्लोक तथा मां दुर्गा की भेंटे याद करा दी। 11 वर्ष की आयु में उसे स्यालकोट की विशाल मस्जिद में पढ़ने के लिए भेजा गया था क्योंकि मुस्लिम शासन होने के कारण हिन्दू अपने स्कूल खोल नहीं सकते थे। हकीकत राय नियम पूर्वक स्कूल जाया करता था। पढ़ने लिखने में होशियार था। उसका अध्यापक मुल्लाजी हकीकत के बोलचाल पर अति प्रसन्न था। स्कूल आते-जाते अपने से बड़ों को राम-राम कहना उसकी आदत थी। स्कूल का पाठ याद करके वह सायंकाल अखाड़े जाया करता था। उसके गठीले शरीर में कमाल की चुस्ती थी। लाठी चलाना भी उसने अखाड़ें में सीख लिया। कबड्डी का खिलाड़ी था वह। उसके माथे पर तिलक, गले में जनेऊ तथा सिर पर गायत्री मंत्र से गठित चोटी होती थी। मंदिर के कीर्तन में जब वह रामायण कीचौपाईएं गीता के श्लोक तथा मां दुर्गा की भेंटे गाता तो श्रोता झूम उठते थे। उसकी सुरीली-रसीली आवाज में अपार जादू था। हकीकत राय को अपने हिन्दू धर्म पर बड़ा गर्व था। कई बार मुस्लिम छात्रों से वह उलझ पड़ता था। दबना, झुलना वह पाप समझता था। वीर भोग्या वसुंधरा यानि ताकत वाले ही सम्मान जिया करते हैं का तथ्य उसकी रगों में व्याप्त था। धनुषधारी श्रीराम सुदर्शन चक्रधारी श्रीकृष्ण उसकी प्रेरणा थी।

शंकर का पुजारी हकीकत राय

हकीकत राय भगवान शंकर का पुजारी था। अखाड़े में व्यायाम के उपरांत वह शिवालय अवश्य जाया करता था। हिन्दू जाति बलशाली हो उसकी वहां याचना होती थी- भोले बाबा तेरे भंग धतूरे का झूम-झूमकर गायन करने के स्थान पर हिन्दू युवक शत्रु से टकराने में प्रवीण हो जाएं, ऐसा वह शंकर से वरदान मांगा करता था। अपने-अपने घरों में त्रिशूल सहपाठियों को प्रेरणा दिया करता था। शस्त्रेण रक्षितों राष्ट्रः की उक्ति के अनुसार वह सहपाठियों को सक्षम बनाना अपना दायित्व समझता था।

हकीकत के विरुद्ध शिकायत

इसलिए मस्जिद में पढ़ाई गई इस्लामिक शिक्षा का भी हकीकत पर कोई प्रभाव नहीं था। घर के हिन्दुत्व युक्त वातावरण ने उसे कट्टर हिन्दू बना रखा था। धर्म पर चर्चा होते ही हकीकत सख्त से भी सख्त उत्तर देने में चूकता न था। वह बड़ा ही दिलेर था। स्यालकोट के चौधरी लाला सुरजभान ने हकीकत के पिताजी से कहा-हकीकत मुस्लिम छात्रों से धर्म के विषय पर अड़ता-लड़ता और गिड़ता रहता है, इसे समझाओ। यह मुस्लिम शासन है। ऐसा न हो कि हकीकत को हाथों से खो बैठो।

हकीकत के पिताजी निर्भीक और यशस्वी हिन्दू थे। अपनी तनी हुई मूंछों को और ताव देते हुए कहा-हकीकत जीवन की कैद काटने के लिए पैदा नहीं हुआ। अपने हिन्दू धर्म की शान के बदले सर तक देने के लिए ही उसने जन्म लिया है। धर्म विरोधी के समक्ष अड़ना और चमत्कार करना ही जीवन है। हिन्दू धर्म सर्वोत्त धर्म है। इसे दूसरों से भी मनवाना हकीकत अपना कर्तव्य समझता है। आप जैसे हिन्दू तो दब सकते हैं। हम मुस्लिम शासन से डरते नहीं। जितनी भी देर जीना है-शान से ही जीना है। आपके पास अपार धन है। सात बेटे भी आपके हैं, फिर भी आप डरते क्यों हो, समझ नहीं आता? हिन्दू सभ्यता हिन्दू संस्कृति पर हमला करने वाली विदेशी इस्लामिक संस्कृति को प्राथमिकता देना हिन्दू हितों का हनन करना है। सुदर्शन चक्रधारी श्रीकृष्ण जी की गीता के भक्त बनो इनकी बांसुरी के गाने ही गाते रहोगे? बंसी के गाने उन्हीं के सुने जाते हैं जो बलवान होते हैं। अपने हितों के लिए ससंकल्प व सशौर्यता अड़ने वाले को ही दुनिया सुनती है। हमने हकीकत को केवल खाने और सोने वाला नहीं बनाया।

उठो-खड़े हो जाओ

(उत्तिष युद्धाय कृत निश्चय)

विश्व में आए हैं तो कुछ करके ही जाना होगा। अपना और अपने बेटे का जीवन लक्ष्य है-सौ वर्षों तक सिसक-सिसककर मरने के स्थान पर शान और आन के दस दिन भी जीना श्रेयस्कर है कृष्णजी महाराज का आदेश है कि आपत्तियों से टकराओगे तो यश मिलेगा। चमड़ी बचाओगे तो पिटोगे। इस पर चौधरी सूरज भान ने चिढ़कर कहा- मैंने तो आपसे हितार्थ बात की है। अल्ला-ईश्वर, राम-रहीम सब समान है। सभी मार्ग प्रभू की ओर ही जाते हैं। सभी खुदा के बंदे हैं क्या चंगे क्या मंदे। झगड़ालू वृत्ति के कारण हकीकत के जीवन को खतरा हो सकता है। गाने न गाने आपकी इच्छा।

हकीकत पर हमला

हकीकत राय पढ़ने में होशियार था। क्लास के अध्यापक जी उस पर बड़े ही खुश थे। उन्होंने उसे क्लास का मानीटर तथा कबड्डी टीम का कैप्टन बना दिया। मुस्लिम छात्र रूष्ट हो गए। एक दिन अध्यापक मुल्ला जी निजी कार्य हेतु स्कूल से बाहर गए। क्लास चलाने के लिए हकीकत को आदेश दे गए। हकीकत ने शरारती लड़के हफीज को पाठ सुनाने के लिए कहा। वह पाठ सुनाने के स्थान पर हकीकत से टकरा गया। जैसे ही उसने हकीकत को गिराने का प्रयास किया, हकीकत ने उसे धोबी पाट मारा। वह भूमि पर आ गिरा उसका बाजू टूट गया। सभी मुसलमान छात्रों ने हकीकत पर आक्रमण कर दिया।

प्रातः उठने व्यायाम करने व सैर हेतु जाने का प्रेरक चमत्कार

हकीकत राय पर जब छात्रों ने आक्रमण किया तो वह घबराया नहीं। क्लास में अध्यापक जी की पड़ी हुई छड़ी से उसने सभी की धुनाई कर दी। मंदिर के पुजारी शत्रुघ्न से उसने कुश्ती के दाव-पेंच एवं लाठी चलाना सीखा था। प्रातः 4 बजे उठ जाने, सैर करने तथा अखाड़े रोज जाने की उसमें व्याप्त आदत ने उसे खूब चुस्त बना रखा था। लड़ाई चल ही रही थी कि अध्यापक मुल्लाजी आ गए। उसने देखा कि हकीकत अकेले ने पचास छात्रों को पीट डाला है। इस्लामिक उन्माद से उसके नेत्रों में रक्त उतर आया। किसकी गलती है मालूम किए बिना हकीकत राय को उसने म-ा-र-म-ा-र कर अर्धमूर्छित कर दिया। उसके नाक-मुंह से रक्त प्रवाहित हो गया। पीटते-पीटते बेचारे को वह कोतवाल के पास ले गया। वहां उसने उस पर झूठा आरोप लगा दिया कि इसने बीबी फातमा को गाली दी है। कोतवाल पांच वक्त का नमाजी था। उसने हकीकत से पूछा क्या तुमने बीबी फातमा को गाली दी थी? उसने कहा कि गाली तो मार खाने वाले दिया करते हैं। पीटने वाले गाली नहीं दिया करते। गाली मुस्लिम छात्रों ने दी थी। मैंने इनको पीटा है। शरारती लड़कों को पीटने के स्थान पर अध्यापक जी ने मुझे ही पीटा है। क्योंकि मैं हिन्दू हूं फिर भी मुझे कोई भी रंज नहीं है। यह मेरे गुरु व पूज्य हैं, भले ही हिन्दू होने के कारण मुझे पीटा है। शरारती मुस्लिम छात्रों को इन्होंने तनिक भी डांटा नहीं। हालांकि मैं पढ़ने लिखने में लायक हूं। इस लड़ाई से यह मेरी शिष्टता की जगह प्रशंसा करते रहे हैं।

कोतवाल का मन जीतना

हकीकत के शिष्टतापूर्ण उत्तर से कोतवाल ने समझ लिया हकीकत को हिन्दू होने के कारण छात्रों ने तंग किया और उस पर हमला भी किया। वह चुस्त था उसने सभी की पिटाई कर दी। मुल्ला अध्यापक तथा मुसलमान छात्रों ने यूं ही हकीकत को पीटा है। हकीकत राय की पिटाई तथा उसे कोतवाल के समक्ष पेश किए जाने की सूचना लाला भागमल जी को मिली। वह और स्यालकोर्ट के गणमान्य हिन्दू कोतवाली पहुंचे। मुल्ला की पिटाई से हकीकत राय का मुंह सूझा हुआ था। कोतवाल ने हकीकत से पूछा क्या बात हुई थी। उसने बताया मैंने छात्र को पाठ सुनाने के लिए कहा था। उसने पाठ सुनाने के स्थान पर मुझसे लड़ना शुरू कर दिया। मैंने उसे पीट दिया। बाकी सारे छात्र मुझ पर टूट पड़े। उन्होंने मां दुर्गा के प्रति अपशब्द भी प्रयुक्त किए थे। मुल्ला जीने आते ही मुझे पीटना शुरू कर दिया, क्योंकि मैं हिन्दू हूं। हालांकि पढ़ने लिखने में होशियार हूं और मुझे यह बिलकुल शरीफ समझते थे। इनको आक्रोश है हिन्दू ने मुस्लिम छात्रों को क्यों पीटा है। इस पर कोतवाल ने मुल्ला अध्यापक को डांटते हुए कहा तुमने शिष्ट और होशियार हकीकत को हिन्दू होने के कारण पीटा है। स्यालकोर्ट के गणमान्य सभी हिन्दू तेरी करतूत का रोना रोने आए हैं। बच्चों-बच्चों की लड़ाईको तुमने हिन्दू मुस्लिम रंग दे दिया है। कोतवाल की झाड़ झपट न सह सकने के कारण मुल्ला अध्यापक और उसके साथ आए सारे मुसलमान भड़क उठे। उन्होंने कहा हकीकत ने बीबी फातिमा को गाली दी है। पच्चास छात्रों को पीटा है। हकीकत राय को दण्डित कराने के लिए वह कोतवाल से गुस्ताखी पर उतर आए। कोतवाल ने यह केस लाहौर की कोर्ट में भेजकर विपदा गले से उतार ली। *(शेष अगले अंक में पढ़ें)*

स्वदेशी आंदोलन के प्रथम प्रेरक

वीर सावरकर जी की 134वीं जयंती पर विशेष

लेखक-डॉ. संतोष राय

इन्हीं विचारों को ह्रदयंगम किए नासिक में राष्ट्र भक्ति का बीजारोपण कर स्वातंत्र्य वीर सावरकर उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए पूना चले आए। यहां क्रांति का यह पादप वट वृक्ष का रूप धारण करने लगा। लोकमान्य तिलक, शिवराम पंत परांजपे और युवक सावरकर के रूप में तीन शक्तियां पूना को प्रभावित करने लगी। उन्होंने अपने कॉलेज जीवन में ही विदेशी वस्त्रों की होली जलाकर गांधीजी के स्वदेशी आंदोलन से भी अनेक वर्ष पूर्व ही स्वदेशी आंदोलन का सूत्रपात कर दिया। उन्हीं दिनों वीर विनायक के सिर से पिता की मृदुल छाया भी उठ गई किंतु उनकी स्वातंत्र आराधना में कोई कमी नहीं आई।

लंदन में स्वातंत्र्य लक्ष्मी का जयकार

स्वातन्त्र्य देवी की आराधना में तल्लीन सावरकर बी.ए. की परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे अथवा नही यह चिंता भी अनेक हितैशियों को सताती थी, किंतु स्वातन्त्र्य लक्ष्मी के इस महान साधक पर मां सरस्वती की भी समान कृपा थी। वे बी.ए. की परीक्षा में सफल हुए और साथ ही शिवाजी के इस अमर पंथानुयायी को श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा प्रदत शिवाजी छात्रवृति भी प्राप्त हुइ और वे 9 जून 1906 को उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु भारत से प्रस्थान कर गए। यह कहना ही उचित होगा कि वे ब्रिटिश सिंह की कन्दरा में प्रवेश कर ही उससे मोर्चा लेने की दिशा में आगे बढ़े। भारत से प्रस्थान करने के पूर्व ही उन्होंने अभिनव भारत नामक संगठन की भी स्थापना कर दी थी।

लंदन के स्वतंत्र वायुमंडल में बैठकर उन्होंने विचारना आरंभ किया कि हिन्दुस्थान की स्वातन्त्रय निष्ठा विश्व को विदित होनी चाहिए और शस्त्रों का शस्त्रों से प्रत्युत्तर यह था उनका दुसरा संकल्प। भारत की स्वतंत्रता के पक्ष में वीर सावरकर के लेख और विचार अब जर्मनी, फ्रांस, इटली और रूस सभी के अनेक समाचार पत्रों में छपकर प्रकाशित होने लगे थे। लंदन से ही वीर सावरकर ने ग्रंथों के आवरण से अपने भारत स्थित सहयोगियों को पिस्तौलों के पार्सल भजने आरंभ कर दिए थे। इधर वीर सावरकर की क्रांतिकारी गतिविधियां बढ़ती जा रही थी और उधर वे ब्रिटिश गुप्तचरों की भी आंखों का कांटा बन गए थे।

महान ग्रंथ की रचना

किंतु स्काटलैंड की जगत प्रसिद्ध गुप्तचर पुलिस से दो-दो हाथ करने का वीर सावरकर निश्चय कर चुके थे। वे इंडिया हाउस में बैठकर ही अमर ग्रंथ की रचना कर रहे थे। वह ग्रंथराज अर्थात "1857 का स्वाधीनता संग्राम" विश्व को वीर सावरकर की अनुपम देन है। यदि वीर सावरकर ने यह एकमात्र ग्रंथ लिखकर ही राजनीति से विश्राम ले लिया होता तब भी विश्व के इतिहास में उनका नाम सादर से लिया जाता रहता।

इंग्लैंड में इण्डिया हाउस में बंदी वीर सावरकर, देवता स्वरूप भाई परमानंद, लाला हरदयाल, वी.वी. अय्यर, ज्ञानचंद्र वर्मा, मदनलाल धींगरा, सेनापति, बापट, मैडम कॉमा आदि क्रांति की योजना बनाया करते थे।

1907ई. में वीर सावरकर के ही प्रयास से 1857 को हीरक जयंती लंदन में समारोह से आयोजित हुई थी।

जब लंदन कांप उठा

स्थापत्य विशारद बनने के लिए लंदन आए एक वीर पंजाबी युवक मदन लाल ढींगरा ने 1 जुलाई 1909

वीर सावरकर

को इम्पीरियल इन्सटीट्यूट में कर्जन वायली नामक एक प्रमुख अंग्रेज का वध कर दिया। उनके द्वारा अपने इस कृत्य के संबंध में न्यायालय में जो व्यक्त किया गया था, उसे समाचार पत्रों में प्रकाशित न होने देने के लिए अंग्रेज अधिकारियों ने एडी-चोटी का जोर लगा दिया था। किंतु वीर सावरकर ने अपनेकतिपय अन्य सहयोगियो की सहायता से वीर मदनलाल का यह वक्तव्य 16 अगस्त 1909 को डली न्यूज में प्रकाशित कराने में सफलता प्राप्त कर ही ली। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत की स्वतंत्रता का प्रश्न संपूर्ण हिन्दुस्थान में ही नहीं, विदेशों में भी चर्चा का विषय बन गया। वीर मदनलाल तो हंसते-हंसते फांसी का फंदा चूम गए किंतु उनकी अमर कीर्ति से लंदन ही नहीं सम्पूर्ण विश्व चकित हो उठा।

अंग्रेजों के मन में भारतीय क्रांतिकारियों का एक आतंक जम गया था। इसी भय को समाप्त करने के लिए अंग्रेजों ने कपितय स्वार्थी भारतवासियों को आगे करके केक्सटन हाल में सर आगा खां की अध्यक्षता में मदन लाल ढींगरा की निंदा करने के लिए एक सार्वजनिक सभा आयोजित की। जब ढींगरा की निंदा का प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत घोषित किय जाने लगा तो हाल में एक गंभीर स्वर गूंज उठा:-

"नहीं, नहीं, सर्वसम्मति से नहीं, मैं इसका विरोध करता हूं।"

सभा में सन्नाटा छा गया। अध्यक्ष नेपूछा कौन है प्रस्ताव का विरोधी? उत्तर मिला सावरकर। जिसके नाम को सुनकर ही अंग्रेज कांपते थे,उसे सम्मुख खड़ा देखकर सभा में भगदड़ मच गई। उसी समय एक अंग्रेज ने वीर सावरकर की आंख पर एक घूंसा मार दिया। किंतु सहसा ही एक लाठी उसकी खोपड़ी पर आकर पड़ी। घूंसे केबदले में हिन्दुस्थान की लाठी की चर्चा तथावीर सावरकर का नाम सम्पूर्ण लंदन में जन चर्चा का विषय बन गया।

सावरकर का सागर संतरण

इन्हीं दिनों भारत में भी एक महत्वपूर्ण घटना घटित हुई थी। अभिनव भारत के सदस्यों का दमन जोरों से आरंभ हुआ। वीर सावरकर के अनेक सहयोगी फांसी के फंदे पर लटका दिए गए तो उनके बड़े भाई बाबा गणेश राव सावरकर को भी ब्रिटिश राज्यसता को उखाड़ फेंकने का प्रयास करने कैं पावन अपराध में कालापानी का दण्ड दे दिया गया। किंतु उनको दी गई इस घोर यातना का प्रतिकार नासिक के विजयानंद थियेटर में कलेक्टर जैक्सन का वध कर अनन्त कन्हेरे नामक एक वीर युवक ने ले ही लिया। हुतात्मा कन्हेरे भी हाथ में गीता लेकर वध स्तंभ पर चढ़ गए। इस घटना से अंग्रेज सरकार के क्रोध का वारापार न रहा। उन्होंने यह समझ लिया कि वीर सावरकर ही न सब गतिविधियों की पृष्ठभूमि में हैं। अतः लंदन में एक तार द्वारा प्रेषित वारंट के आधार पर वीर सावरकर बंदी बना लिए गए। उन्हें वहां से मोरिया नामक जहाज पर बंदी बनाकर भारत के लिए रवाना कर दिया गया। इसी मोरिया जहाज पर 8 जुलाई 1910 को घटित हुई घटना वीर सावरकर के जीवन की ही नहीं अपितु विश्व के इतिहास की एक अनुपम घटना बन गयी। मार्सेलिस बंदरगाह से जहाज के प्रस्थान करने के कुछ ही समय प्रश्चात् वीर सावरकर सागर की उत्ताल तरंगों में कूद पड़े। पाण्डवों ने जिस भांति लाक्षागृह से पलायन किया था और शिवाजी जिस प्रकार औरंगजेब के कारागार से निकल भागे थे उसी प्रकार वीर सावरकार ने भी एक अनहोना कृत्य संपन्न कर दिखाया। पीछे से ही रही थी गोलियों की बौछार और आगे बढ़ रहे थे वीर कमलवत स्वातंत्र्य वीर सावरकर। वे लहरों को चीरकर फ्रांस के तट पर तैरते-तैरते जा पहुंचे।उनके इस अदम्य साहस पर अंग्रेज अधिकार ही क्या स्वयं मृत्यु ही आश्चर्य चकित रह गई। किंतु भीरू फ्रांसीसी सिपाहियों ने वीर सावरकर को अंग्रेजों को सौंप दिया। उन्हें भारत लाया गया जहां उनके विरुद्ध तीन अभियोग चलाए गए। फ्रांस की भूमि पर वीर सावरकर को बंदी बनाए जाने के मामले को चुनौती भी दी गई और वीर सावरकर की गिरफ्तारी का प्रश्न हेग के अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में भी उठया गया। किंतु भाग्य के लिखारी को कुछ और ही लेख लिखना था। अतः उनकी गिरफ्तारी में कतिपय अनियमितताओं को स्वीकार करते हुए भी उनकी गिरफ्तारी का समर्थन कर दिया गया।

(शेष अगले अंक में)

मानवता के हत्यारे अलाउद्दीन की करतूतें

चमन लाल क्षत्रिय

दिल्ली के सिंहासन पर अलाउद्दीन खिलजी बैठा था। बाल्यावस्था में ही उसके माता-पिता का देहांत हो गया। जिस अशुभ घड़ी में उसका जन्म हुआ उससे उन्होंने अनुमान लगा लिया था कि यह मानवता के नाम पर कलंक ही सिद्ध होगा। इस ही वेदना में वह व्यथितावस्था में संसार से चल दिए। अलाउद्दीन को उसके चाचा ने ही बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा। बड़ा होने पर उसने उसकी लड़की से निकाह कर लिया। एक दिन बड़े प्यार से उसके चाचा ने उसे छाती से लगाया तो अलाउद्दीन ने बड़ी ही नीचता व निर्दयता से उसके पेट में छुरा घोंप दिया। उसने तड़पते तड़पते दम तोड़ दिया। प्रजा और सभी संबंधियों ने उसे खूब फटकारा। खिलजी परिवार का एक पीर था उसे जब मिलने यह गया तो उसने मिलने से इंकार करते हुए कहा-तुम जैसे कृतघ्न से वार्ता करना तो एक और रहा, तुम्हारी शक्ल देखना भी बड़ा भारी

कुफर है। तुम बहादुर नहीं हो। तुम अपना नाम तो कलंकित कराओगे ही इस्लाम का भी अपयश कराओगे।

अलाउद्दीन ने दक्षिण के देवगिरी राज्य पर आक्रमण कर दिया। वहां के राजा रामचंद्र ने डटकर मुकाबला करते हुए उसकी सेनाओं को लायन करने पर बाध्य कर दिया। रामचंद्र की सेना का एक नायक अलाउद्दीन से जा मिला। जीतता हुआ देव नगरी का वीर राजा अपने ही एक सेना नायक के कारण परास्त हो गया। अलाउद्दीन के आदेश से उसके सैनिकों ने देवगिरी को जी भर के लूटा। कई मन सोना-चांदी हीरे जवाहरात अलाउद्दीन लूटकर दिल्ली लाया।उस समय उसकी आयु बीस वर्ष के लगभग थी। वह चढ़ती जवानी के जोश में नैतिकता व अनैतिकता के फर्क को दिमाग से निकाल चूका था। वह अपने को सिकंदर के नाम से पुकारा जाना पसंद करता था। वह वासना का सताया हुआ शैतान ही सिद्ध हुआ। गुजरात के राजा कर्णसिंह की हत्या करके उसकी पत्नी कमलादेवी को उसने कैद कर लिया। उसके अत्याचारों से तंग आकर उसने आत्महत्या कर लेने के कई बार प्रयास किए। हताश हो चुकी उस अबला की विवशता का अनुचित लाभ उठाते हुए बलात् उसने निकाह कर लिया। उसने उसका नाम मलकाए आजम रखा।

(शेष अगले अंक में)

(महारानी पद्मिनी किताब से है)

श्रीराम जन्मभूमि का गौरवपूर्ण रक्तरंजित इतिहास

महेश दीक्षित
(अगले अंक का शेष)

इस प्रकार बार-बार के आक्रमणों और हिन्दू जनमानस के रोष एवं हिन्दुस्थान पर मुगलों की ढीली होती पकड़ से बचने का एक राजनैतिक प्रयास की अकबर की इस कूटनीति से कुछ दिनों के लिए जन्मभूमि में रक्त नहीं बहा। यही क्रम शाहजहां के समय भी चलता रहा। फिर औरंगजेब के हाथ सत्ता आई वो कट्टर मुसलमान था और उसने समस्त भारत से काफिरों के सम्पूर्ण सफाये का संकल्प लिया था। उसने लगभग 10 बार अयोध्या में मंदिरों को तोड़ने का अभियान चलकर यहां के सभी प्रमुख मंदिरों की मूर्तियों को तोड़ डाला। औरंगजेब के समय में समर्थ गुरु श्री रामदास जी महाराज जी के शिष्य श्री वैष्णवदास जी ने जन्मभूमि के उद्धारार्थ 30 बार आक्रमण किये। इन आक्रमणों में अयोध्या के आसपास के गांवों के सूर्यवंशीय क्षत्रियों ने पूर्ण सहयोग दिया जिनमें सराय के ठाकुर सरदार गजराज सिंह और राजेपुर के कुंवर गोपाल सिंह तथा सिसिण्डा के ठाकुर जगदंबा सिंह प्रमुख थे। ये सारे वीर ये जानते हुए भी की उनकी सेना और हथियार बादशाही सेना के सामने कुछ भी नहीं है अपने जीवन के आखिरी समय तक शाही सेना से लोहा लेते रहे। लम्बे समय तक चले इन युद्धों में रामलला के मुक्त कराने के लिए हजारों हिन्दू वीरों ने अपना बलिदान दिया और अयोध्या की धरती पर उनका रक्त बहता रहा। ठाकुर गजराज सिंह और उनके साथी क्षत्रियों के वंशज आज भी सराय में मौजूद हैं। आज भी फैजाबाद जिले के आसपास के सूर्यवंशीय क्षत्रिय सिर पर पगड़ी नहीं बांधते, जूता नहीं पहनते, छता नहीं लगाते, उन्होंने अपने पूर्वजों के सामने ये प्रतिज्ञा ली थी कि जब तक श्री राम जन्मभूमि का उद्धार नहीं कर लेंगे तब तक जूता नहीं पहनेंगे, छज्ञता नहीं लगाएंगे, पगड़ी नहीं पहनेंगे। 1640 ईस्वी में औरंगजेब ने मंदिर को ध्वस्त करने के लिए जबांज खां के नेतृत्व में एक जबरजस्त सेना भेज दी थी, बाबा वैष्णवदास के साथ साधुओं की एक सेना थी जो हर विद्या में निपुण थी इसे चिमटाधारी साधुओं की सेना भी कहते थे। जब जन्मभूमि पर जबांज खां ने आक्रमण किया तो हिन्दुओं के साथ चिमटाधारी साधुओं की सेना की सेना मिल गई और उर्वशी कुंड नामक जगह पर जाबाज खां की सेना से सात दिनों तक भीष्ण युद्ध किया। चिमटाधारी साधुओं के चिमटे के मार से मुगलों की सेना भाग खड़ी हुई। इस प्रकार चबूतरे पर स्थित मंदिर की रक्षा हो गयी। जाबाज खां की पराजित सेना को देखकर औरंगजेब बहुत क्रोधित हुआ और उसने जाबाज खां को हटाकर एक अन्य सिपहसालार सैय्यद हसन अली को 50 हजार सैनिकों की सेना और तोपखाने के साथ अयोध्या की ओर भेजाऔर साथ में ये आदेश दिया कि अबकी बार जन्मभूमि का बर्बाद करके वापस आना है, यह समय सन् 1680 का था। बाबा वैष्णव दास ने गुरुगोविंद राम से युद्ध में सहयोग के लिए पत्र के माध्यम संदेश भेजा। पत्र पाकर गुरुगोविंद सिंह सेना समेत तत्काल अयोध्या आ गए और ब्रह्मकुंड पर अपना डेरा डाला। ब्रह्मकुंड वही जगह जहां आजकल गुरुगोविंद राम की स्मृति में सिक्खों का गुरुद्वारा बना हुआ है। बाबा वैष्णव दास एवं गुरुगोविंद राम रामलला की रक्षा हेतु एक साथ रणभूमि में कूद पड़े। इन वीरों के सुनियोजित हमलों से मुगलों की सेना के पांव उखड़ गये सैय्यद हसनअली भी युद्ध में मारा गया। औरंगजेब हिन्दुओं की इस प्रतिक्रिया से स्तब्ध रह गया थाऔर इस युद्ध के बाद 4 साल तक उसने अयोध्या पर हमला करने की हिम्मत नहीं की। औरंगजेब ने सन् 1664 में एक बार फिर श्री राम जन्मभूमि पर आक्रमण किया। इस भीषण हमले में शाही फौज ने लगभग 10 हजार से ज्यादा हिन्दुओं की हत्या कर दी नागरिकों तक को नहीं छोड़ा। जन्मभूमि हिन्दुओं के रक्त से लाल हो गयी। जन्मभूमि के अंदर नवकोण के एक कंदर्पण कूप नाम का कुंआ था, सभी मारे गए हिंदुओं की लाशें मुगलों ने उसमें फेंककर चारों ओर चहारदीवारी उठा कर उसे घेर दिया। आज भी कंदर्पकूप गज शहीदा के नाम से प्रसिद्ध है और जन्मभूमि के पूर्वी द्वार पर स्थित है। शाही सेना ने जन्मभूमि का चबूतरा खोद डाला बहुत दिनों तक वह चबूतरा गड्ढे के रूप में वहां स्थित था। औरंगजेब के क्रूर अत्याचारों की मारी हिन्दू जनता अब उस गड्ढे पर ही श्री रामनवमी के दिन भक्तिभाव से अक्षत, पुष्प और जल चढ़ाती रहती थी। नवाब सहादत अली के समय 1763 ईस्वीं में जन्मभूमि के रक्षार्थ अमेठी के राजा गुरुदत सिंह और पिपरपुर के राजकुमार सिंह के नेतृत्व में बाबरी ढांचे पर पुनः पांच आक्रमण किये गये जिसमें हर बार हिन्दुओं की लाशें अयोध्या में गिरतीरहीं। लखनऊ गजेटियर में कर्नल हंट लिखता है कि लगातार हिंदुओं के हमले से ऊबकर नवाब ने हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ नमाज पढ़ने और भजन करने की इजाजत दे दी पर सच्चा मुसलमान होने के नाते उसने काफिरों को जमीन नहीं सौंपी। लखनऊ गजेटियर पृष्ठ 62 नासिरुद्दीन हैदरके समय में मकरही के राजा के नेतृत्व में जन्मभूमि को पुनः अपने रूप में लाने के लिए हिन्दुओं के तीन आक्रमण हुये।

(शेष अगले अंक में)

पाकिस्तान को आईना दिखा इस्लामिक देशों ने भारत का किया समर्थन

सं. रमन पराशर

नई दिल्ली। पड़ोसी देश पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय भारत विरोधी मानसिकता से कब उबरेगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों के पैनल के लिए संपन्न चुनाव इसका एक ताजा तरीन उदाहरण है।

पाकिस्तान का न तो कोई प्रतिनिधि था और न ही उसका कुछ लेना देना था फिर भी भारतीय प्रतिनिधि दलवीर भंडारी को हराने के लिए उसने कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने अपने कुछ करीबी देशों के साथ मिल कर इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) में भारत के खिलाफ और ब्रिटेन के पक्ष में हवा बनाने की कोशिश की। लेकिन जिस तरह का समर्थन भारत को मिला है उससे साफ है कि ओआईसी के भी बहुत सारे देशों ने भारत के पक्ष में वोटिंग की है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी बताते हैं कि भंडारी की जीत के लिए भारत ने पिछले दो हफ्तों में जो कूटनीतिक कोशिशें की हैं वैसा कूटनीतिक उदाहरण मिलना मुश्किल है। तकरीबन सौ देशों में फैले भारतीय राजदूत, उच्चायुक्त व मिशन के प्रतिनिधियों ने पूरी तरह से सुनिश्चित किया कि भारतीय प्रतिनिधि के पक्ष में वोटिंग में कोई कोताही न हो। पूरे मामले पर नजर नई दिल्ली स्थिति विदेश मंत्रालय के आला अधिकारी रख रहे थे। इन कोशिशों में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन की भूमिका सबसे अहम रही जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वोटिंग के समय दूसरे देशों के प्रतिनिधियों के स्तर पर कोई गड़बड़ी न हो। यह एक वजह है कि विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अकबरुद्दीन को खास तौर पर धन्यवाद दिया है।

विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक यह एक बेमिसाल टीम वर्क का उदाहरण है। परिणाम निकलने के बाद मुकाबला भले ही आसान नजर आ रहा हो लेकिन शुरु से ही यह काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि सामने संयुक्त राष्ट्र का एक स्थाई सदस्य (ब्रिटेन) था जिसने आईसीजे में कभी मात नहीं खाई थी। अंत में इस्लामाबाद की तरफ से खेल में भंग डालने की पूरी कोशिश की गई।

पाकिस्तान के राजनयिकों ने संयुक्त राष्ट्र में ओआइसी के सारे प्रतिनिधियों के बीच लाबिंग की। लेकिन इसका कोई खास फायदा नहीं हुआ। अंतिम राउंड की वोटिंग से पहले वाले राउंड में भारत के पक्ष में तकरीबन दो तिहाई सदस्य देशों ने मतदान किया था। ओआइसी के 56 सदस्य है जबकि अंतिम वोटिंग में ब्रिटेन को 61 वोट मिले है। ब्रिटेन के पक्ष में वोटिंग करने वाले यूरोपीय देशों की संख्या निश्चित तौर पर ज्यादा होगी। इसका साफ मतलब है कि ओआइसी के भी कई देशों ने भारत के पक्ष में वोटिंग की है।

जलियांवाला बाग नरसंहार: ब्रिटिश सरकार का माफी मांगने से इनकार

पं. बालकृष्ण शर्मा

लंदन। ब्रिटेन ने लंदन के मेयर सादिक खानकी उस मांग को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि जलियांवाला बाग नरसंहार को लेकर ब्रिटिश सरकार को माफी मांगनी चाहिए। विदेश कार्यालय ने माफी मांगने से इनकार करते हुए इसकी जगह चार साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड कैमरन के बयान को दोहराया है जिसमें उन्होंने जलियांवाला बाग कांड की निंदा करते हुए इसे बेहद शर्मनाक कृत्य बताया था। ह्यद इंडिपेडेंटह्ल न्यूज साइट के मुताबिक, विदेश कार्यालय ने कहा, ह्यपूर्व प्रधानमंत्री ने 2013 में जलियांवाला बाग के दौरे पर नरसंहार को ब्रिटेन के इतिहास में बेहद शर्मनाक कृत्य करार दिया था और साथ ही ऐसी घटना बताया था जिसे नहीं भूलना चाहिए।ह्ल बयान के मुताबिक, ह्ययह सही है कि हम मृतकों के प्रति सम्मान रखते हैं और घटना को याद रखते हैं। ब्रिटिश सरकार इस घटना की निंदा करती है।ह्ल लंदन के मेयर सादिक खान ने अपने अमृतसर दौरे पर बड़ा बयान देते हुए कहा था कि वक्त आ गया है कि ब्रिटिश सरकार जलियांवाला बाग नरसंहार के लिए माफी मांगे। पाकिस्तानी मूल के खान भारत और पाकिस्तान के तीन-तीन शहरों की आधिकारिक यात्रा के तहत अमृतसर दौरे पर आए थे।

उन्होंने जलियांवाला बाग नरसंहार के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और विजिटर्स बुक में लिखा कि अब वक्त आ गया है कि ब्रिटिश सरकार सन् 1919 में हुए जलियांवाला बाग नरसंहार के लिए माफी मांगे। सादिक खान ने बताया कि उनके लिए जलियांवाला आना एक अद्भुत अनुभव रहा है। उन्होंने लिखा ह्यजलियांवाला बाग आने का अनुभव अद्भुत है और यहां जो त्रासदी हुई थी उसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

अमेरिका की इस्लामाबाद को वॉर्निंग, आतंकी संगठन कर सकते हैं पाकिस्तानी भूभाग पर कब्जा

अशोक शर्मा मेरठ

वॉशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि अगर इस्लामाबाद अपनी सरजमीं से संचालित होनेवाले आतंकी समूहों से अपना रिश्ता खत्म नहीं करता है तो उसे अपने कुछ भूभाग से हाथ धोना पड़ सकता है। अमेरिका के विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन ने यह भी कहा कि अभी आतंकियों के फोकस पर काबुल है लेकिन एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि इस्लामाबाद उनके लिए बेहतर टारगेट हो सकता है।

लेटेस्ट कॉमेंट : जो आग से खेलता है एकदिन उसे आग से जलना ही पड़ता है. अगर पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना बंद नही करता है तो यही आतंकी उसे समाप्त कर देंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री टिलरसन ने कहा, ह्यपाकिस्तान ने तमाम आतंकी संगठनों को अपने यहां सुरक्षित पनाहगाह दिया है और इन संगठनों का आकार और प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। मैं पाकिस्तान के नेतृत्व से कहूंगा कि आप इन आतंकी संगठनों का टारगेट हो सकते हैं। एक दिन ऐसा आ सकता है कि काबुल से उनका ध्यान हट जाए और वे फैसला कर लें कि इस्लामाबाद उससे अच्छा टारगेट है।

एक अमेरिकी थिंकटैंक के कार्यक्रम में टिलरसन ने कहा कि पाकिस्तान को हक्कानी नेटवर्क के साथ अपने रिश्तों को खत्म करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और हक्कानी नेटवर्क के बीच यह रिश्ता करीब एक दशक पहले शुरू हुआ था लेकिन अब इसे खत्म करने की जरूरत है। टिलरसन ने कहा कि अगर पाकिस्तान सजग नहीं हुआ तो उसे अपने ही देश पर नियंत्रण खोना पड़ सकता है। टिलरसन की इस चेतावनी के से पहले अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने बयान दिया था कि अफगानिस्तान के लिए अमेरिका की नई रणनीति की वजह से अफगान नैशनल सिक्यॉरिटी फोर्सेज को ताकत मिली है और अब तालिबान आतंकी पीछे हट रहे हैं। पेंटागन ने अपने बयान में कहा कि अमेरिकी की नई अफगान रणनीति से यह साफ हो चुका है कि अमेरिकी सेना अफगानिस्तान में तब तक रहेगी जब तक कि वहां स्थिरता नहीं आ जाती। बयान में कहा गया कि नई रणनीति से अमेरिकी जवानों को दुश्मन का सामना करने के लिए पहले से भी ज्यादा अधिकार दिए गए हैं।

अमेरिका की तरफ से ये दोनों अहम बयान ऐसे वक्त में आए हैं जब ट्रंप प्रशासन बार-बार पाकिस्तान से कह रहा है कि वह अपनी सरजमीं पर आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करे। हाल ही में अमेरिका ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर इस्लामाबाद आतंकी संगठनों के खिलाफ प्रभावी ऐक्शन नहीं लेता है तो अमेरिका किसी भी हद तक जा सकता है। ट्रंप प्रशासन ने यह भी कहा था कि अफगानिस्तान में आतंकी वारदातों को अंजाम देने वाले अभी भी पाकिस्तान में आसानी से रह रहे हैं। हालांकि इस्लामाबाद इन आरोपों को खारिज करता रहा है।

सामने आया पाकिस्तान का घिनौना सच, सिखों को जबरन बना रहा मुसलमान

सरदार महेंद्र सिंह

नई दिल्ली। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान अल्पसंख्यकों के साथ कथित भेदभाव को लेकर भारत पर अक्सर उंगली उठाता रहता है। हालांकि मुसलमान, सिख, ईसाई और पारसी सहित तमाम अल्पसंख्यकों ने बार–बार पाकिस्तान के इस झूठ पर करारा हमला भी बोला है। लेकिन उसी पाकिस्तान का घिनौना चेहरा एक बार फिर सामने आया है।

पड़ोसी देश में खैबर पख्तूनख्वा के हंगू जिले में पाकिस्तान के सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से यहां सिख समुदाय के कुछ लोगों को जबरन मुसलमान बनाने का मामला उजागर हुआ है। इस पर भारत की विदेशमंत्री सुषमा स्वराज ने भी संज्ञान लेते हुए कहा है कि वे इसे उच्च स्तर पर उठाएंगी। सिख समुदाय ने पिछले शुक्रवार को ही इस संबंध में हंगू के डिप्टी कमिश्नर शाहिद महमूद से शिकायत कर उनके सामने मामले को उठाया है। लोगों का आरोप है कि तहसील के असिस्टेंट कमिश्नर याकूब खान ने कथित तौर पर जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया। अल्पसंख्यकों के जिला समन्वयक फरीद चंद सिंह ने ही यह शिकायत दर्ज करायी है। उनका कहना है कि सिख समुदाय यहां 1901 से रह रहा है और उन्होंने कभी किसी तरह का अपराध नहीं किया है। वे बताते हैं कि मुस्लिम समुदाय के बीच वे अपनी धार्मिक मान्यताओं के साथ शांतिपूर्ण तरीके से रहते आए हैं। उन्होंने कहा, कभी किसी निवासी ने उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं की। इससे पहले किसी ने कभी धर्म परिवर्तन के लिए भी दबाव नहीं डाला।

उन्होंने कहा है कि उनका मुस्लिम समुदाय के साथ दोस्ताना रिश्ता है। एक स्थानीय अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून से बात करते हुए फरीद चंद सिंह ने कहा उन्हें कभी इतना बुरा नहीं लगा। लेकिन जब आपको पता चलता है कि कोई सरकारी अधिकारी ही जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवा रहा है तो यह गंभीर बात है। हम दोआब क्षेत्र के रहने वाले हैं और हमें धार्मिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने अपनी शिकायत में लिखा, संविधान हमें अपनी धार्मिक भावनाओं के साथ जीने का अधिकार देता है और हम चाहते हैं कि असिस्टेंट कमिश्नर तल अयूब खान से इस बारे में पूछताछ हो। वे आगे कहते हैं कि उनके मामले कि निष्पक्षता से जांच हो ताकि उनका समाज पाकिस्तान में प्यार, शांति और सौहार्द के साथ जीवन जी सके। हालांकि जब डिप्टी कमिश्नर शाहिद महमूद से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने मामले को टालते हुए जबरन धर्म परिवर्तन में लिप्त अधिकारी को बचाने की कोशिश की। डिप्टी कमिश्नर ने कहा, किसी के जबरन धर्म परिवर्तन का कोई मामला नहीं है। बल्कि जिला प्रशासन लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता को बनाए रखने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा, पूरे जिले में लोगों की धार्मिक मान्यताओं और उनकी सुरक्षा के प्रति मुस्तैद हैं। पंजाब से आने वाली केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर ने भी इस संबंध में सुषमा स्वराज के ट्वीट पर उनका शुक्रिया किया है।

यदि पाक में हिन्दुओं पर अत्याचार नहीं रोका गया तो हिन्दुस्तान में मुसलमान सुरक्षित नहीं रह सकते। - **नाथूराम गोडसे**

सीपीआई (एम) के पोस्टर पर मार्क्स, लेनिन की जगह किम जोंग–उन, नेता बोले– वही दे सकते हैं ट्रंप को टक्कर

सं. मोरारीलाल लोहरा, लोनी

इडुक्की। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) की पार्टी लाइन भली ही नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग–उन को खुले रूप में स्वीकार करने से बचती हो, लेकिन पार्टी कैडर को शायद वह हीरो नजर आते हैं।

इडुक्की जिले में पार्टी के पोस्टरों में किम जोंग–उन को पार्टी के निशान के साथ दिखाया गया है। पोस्टर को लेकर विवाद तब पैदा हुआ था जब भारतीय जनता पार्टी के नेता संबित पात्रा ने पोस्टर की तस्वीर ट्विटर पर शेयर की। हैदराबाद में अप्रैल 2018 में पार्टी की बैठकें होंगी। उनसे पहले की जाने वाली क्षेत्रीय समिति कॉन्फ्रेंस के लिए ये पोस्टर लगाए गए थे। केरल में सीपीआई (एम) के पोस्टर पर दिखे किम जोंग–उन, बीजेपी ने घेरा हैरान करने वाली बात यह रही कि सीपीआई (एम) के पोस्टर से इस बार मार्क्स, लेनिन और स्टालिन गायब रहे और जिले के नेताओं को इसे लेकर कोई संशय भी नहीं है।

सीपीआई (एम) के जिला सचिवालय सदस्य पी एन विजयन का कहना है, ह्यकिम अकेले ऐसे वामपंथी नेता हैं जो अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को चुनौती दे सकते हैं। वह अमेरिका के साम्राज्यवाद के खिलाफ लड़ते हैं, जिसने विश्व–पुलिस बनकर हजारों लोगों को मारा है। हमारे लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है। हम किम के चरित्र की अन्य बातों पर ध्यान नहीं देते।

हमारे मदरसों में पढ़ने वाले बच्चे या तो मौलवी बनेंगे या आतंकी: आर्मी चीफ

मनीष पांडे (एडवोकेट अयोध्या)

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। पाकिस्तान आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा ने देश में बढ़ते मदरसों और उनमें दी जाने वाली तालीम पर सवालिया निशान लगा दिए। बाजवा ने शुक्रवार को कहा, ह्यऐसी जगह (पाकिस्तान के मदरसों) पढ़ने वाले बच्चे या तो मौलवी बनेंगे या आतंकवादी। क्योंकि, पाकिस्तान में इतनी मस्जिद नहीं बनाई जा सकतीं की मदरसे में पढ़ने वाले हर बच्चे को नौकरी मिल सके।

आर्मी चीफ का ये बयान हैरान करने वाला है। दरअसल, ऐसा कम ही होता है कि पाकिस्तान जैसे कट्टरपंथी देश में आर्मी चीफ देश के मदरसों पर ही सवाल उठा दे। ये इसलिए भी अहम है कि पाकिस्तान के मदरसों को लेकर पहले ही कई विवाद सामने आते रहे

हैं। सिर्फ मजहबी तालीम नहीं, वर्ल्ड क्लास एजुकेशन चाहिए

शुक्रवार को एक यूथ कॉन्फ्रेंस में बाजवा ने कहा, मदरसों में बच्चों को सिर्फ मजहबी तालीम दी जाती है। यहां के स्टूडेंट्स बाकी दुनिया के मुकाबले काफी पीछे रह जाते हैं। अब जरूरत है कि मदरसों के पुराने कॉन्सेप्ट को बदला जाए। बच्चों को वर्ल्ड क्लास एजुकेशन दी जाए।बाजवा ने कहा, सिर्फ मदरसे में मिली तालीम से बच्चों का कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि यहां दुनिया में क्या चल रहा है? इस बारे में कुछ भी नहीं बताया जाता। देवबंद मुस्लिमों द्वारा चलाए जा रहे मदरसों में अभी करीब 25 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। ये खराब एजुकेशन की वजह से पिछड़ते जा रहे हैं।

हालांकि, पाक मिलिट्री के मीडिया विंग ने प्रेस रिलीज में बाजवा के मदरसों पर दिए सेंसिटिव बयानों को जगह नहीं दी।

आर्मी के रोल की भी की चर्चा : बाजवा ने कहा, मुझे डेमोक्रेसी में भरोसा है। आर्मी देश की सिक्युरिटी और डेवलपमेंट में अपना रोल निभाती रहेगी। आर्मी देश की सेवा के लिए बनी है। हम देश के लिए अपना काम जारी रखेंगे।

पाकिस्तान में हिन्दू युवाओं को नौकरियां नहीं और लड़कियों से होते हैं रेप

सं. सतीश मदान (मुरादाबाद)

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सिखों को इस्लाम धर्म कबूल कराने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इसे विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने गंभीरता से लिया है और पाक सरकार से बात करने की बात कही है। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी वहां की जनसंख्या का महज 2 फीसदी है। इसके साथ ही उनके अधिकार भी सीमित हैं। उन्हें कई तरह के टॉर्चर और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। हिंदू पुरुषों को नौकरी और काम के लिए भेदभाव का सामना करना पड़ता है। तो वहीं लड़कियां कभी किडनैप कर ली जातीं हैं, तो कभी उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता। आंकड़ों के मुताबिक, यहां हर साल करीब 700 अल्पसंख्यक लड़कियों की किडनैपिंग और रेप होता है। जबरन धर्मपरिवर्तन और रेप का शिकार हुई रिंकल कुमारी इस बात का सबसे बड़ा सबूत है। यहां हम बता रहे हैं कि पाकिस्तान में हिंदुओं को कैसे भेदभाव और टॉर्चर का सामना करना पड़ रहा है।

हिंदू लड़कियों की किडनैपिंग और रेप : पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का अपहरण और रेप की खबरें आम हैं। एनजीओ मूवमेंट फॉर सोलिडेरिटी एंड पीस इन पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक, पाक में हर साल करीब 700 अल्पसंख्यक लड़कियों की किडनैपिंग और रेप होता है। इनमें बड़ी संख्या हिंदू लड़कियों की होती हैं। बता दें, पाकिस्तान में क्रिश्चियन्स भी माइनॉरिटी में हैं।

जबरन धर्म परिवर्तन और शादी : पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करा कर शादी कराई जाती है। ह्यमूवमेंट फॉर सॉलिडेरिटी एंड पीस इन पाकिस्तानह्ल की रिपोर्ट के मुताबिक, पाक में हर साल करीब 300 से ज्यादा लड़कियों का शादी के लिए जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है। ह्यूमन राइट्स कमीशन चीफ जोहरा यूसुफ के मुताबिक, पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों की स्थिति बेहद खराब है।

धर्म के आधार पर गुलामी : पाकिस्तान में हिंदू वर्कर्स की हालत भी बहुत खराब है। पाकिस्तान के ह्यूमन राइट कमीशन के मुताबिक, 1994 में करीब 2 करोड़ लोग ऐसे पाए गए, जिनसे बेगारी (फोर्स्ड लेबर) कराई जा रही थी। इसमें ज्यादातर संख्या में लोग हिंदू, ईसाई और मुस्लिम शेख पाए गए। इन्हें खेती, ईंट भट्टे, कालीन की बुनाई, माइनिंग और घरों में काम करते पाया गया। इसके साथ ही यहां इन वर्कर को ऐसे टॉर्चर किया जाता है और कई बार इस कदर पिटाई की जाती है कि उनकी मौत तक हो जाती है।

स्कूलों में पढ़ाया जाता है नफरत का पाठ : पाकिस्तान के स्कूलों में हिंदुओं के खिलाफ नफरत का पाठ पढ़ाया जाता है। ह्ययूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडमह्ल ने 2014 में इस मामले पर एक रिपोर्ट भी जारी की थी। उस वक्त इसके चेयरमैन लियोनार्ड लियो ने कहा था कि पाक की किताबों में हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाली कई चीजें पढ़ाई जा रही हैं।

हिंदुओं को मुश्किल से मिलती है जॉब और लोन : पाकिस्तान में हिंदू होने की वजह से लोगों को जॉब और लोन आसानी से नहीं मिलते। पाकिस्तानी पूरी कोशिश करते हैं कि उनका बिजनेस भी तबाह हो जाए। 1999 में यूएन ने भी माना कि पाकिस्तान में भेदभाव होता है। उसने इसे लेकर पाकिस्तान पर सख्ती भी की थी।

हिंदू को मुसलमान बनाने का सीधा प्रसारण

स. दीपक चोपड़ा

नई दिल्ली। टेलीविजन से दर्शकों को चिपकाए रखने के लिए रियलिटी शो के नाम पर घरेलू झगड़े से लेकर सेलिब्रिटी की शादी दिखाने और यहां तक कि कम से कम कपड़ों में समाचार पढ़ने के प्रयोग पूरी दुनिया में किए जा रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान में जो हुआ है वह तो इंतेहा है। वहां एक रियलिटी शो में हिंदू लड़के को इस्लाम धर्म स्वीकार करते हुए दिखाया गया। इस पर पाकिस्तान के मीडिया जगत में वाजिब और तीखी प्रतिक्रिया हुई है। इस तरह की घटनाओं से वहां के अल्पसंख्यकों को साफ संदेश देने की कोशिश की गई है कि इस्लाम के अलावा और किसी धर्म को सांस लेने की इजाजत नहीं है।

सुनील नाम के इस हिंदू किशोर को मुफ्ती मुहम्मद अकमल की निगरानी में एआरवाई डिजिटल चैनल के स्पेशल रमजान लाइव शो में इस्लाम धर्म स्वीकार करते दिखाया गया। यह शो मंगलवार को प्रसारित किया गया था। माया खान ने इस कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। बकौल सुनील, अंसार बर्नी के एनजीओ के लिए काम करने के दौरान उसने धर्म परिवर्तन का फैसला किया था। उस पर कोई दबाव नहीं है। धर्म बदलने के बाद उसका नाम मुहम्मद अब्दुल्ला कर दिया गया।

हिंदू नेताओं ने इस घटना पर चिंता जताई है। उनका मानना है कि इससे दूसरे हिंदुओं पर इस्लाम स्वीकार करने का दबाव बढ़ेगा। लाहौर के हिंदू सुधार सभा के अमरनाथ रंधावा ने कहा, ह्यहमारे समुदाय में निराशा का माहौल हैह्ल इस शो को लेकर सोशल बेवसाइटों पर भी चर्चा का दौर चल पड़ा है। अखबारों ने भी ऐसे शो का विरोध किया है। इस टीवी शो को गैरबाजिब करार देते हुए अखबार ह्यद डॉनह्ल ने इस बात पर अफसोस जताया है कि टीवी चैनलों की गला काट प्रतिस्पर्धा में अब ह्यधर्मह्ल भी जुड़ गया है। मुनाफा कमाने के लिए जिस तरह से नैतिकता को ताक पर रखा गया है, वह चिंताजनक है। अखबार ने अपने संपादकीय में लिखा है कि दर्शकों को हरदम कुछ नया और अलग देने के चक्कर में चैनल यह भी भूल गया कि इसका अल्संख्यकों में क्या संदेश जाएगा और पाकिस्तान की बाहरी मुल्कों में क्या छवि बनेगी। धर्म परिवर्तन के इस सीधे प्रसारण के बाद जाहिर की गई खुशी और मुबारकबाद के संदेशों ने यह जता दिया कि पाकिस्तान में दूसरे धर्मो को वह हैसियत नहीं है जो इस्लाम की है। पहले से ही दोयम दर्जे के नागरिक का जीवन बिता रहे हिंदू एवं दूसरे अल्पसंख्यक और भी हाशिये पर चले जाएंगे। ऐसा लगता है कि पाकिस्तानी मीडिया अपनी जिम्मेदारी भूल गया है। उत्तेजना फैलाने वाली सामग्री के प्रसारण से पहले यह नहीं सोचा जा रहा है कि इसका नतीजा क्या होगा? आम लोगों में इसका क्या संदेश जाएगा? वहीं, कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान के मानवाधिकार कार्यकर्ता अंसार बर्नी के भाई सरीम बर्नी सुनील के साथ दिखाई दिए। मामला सामने आने के बाद अंसार बर्नी ने भाई को अपने एनजीओ से बाहर कर दिया है।

भौतिकवादी युग में पाश्चात्य सभ्यता एवं संस्कृति से हमारे बहुसंख्यक हिन्दू जन दिग्भगमित होते जा रहे हैं

ओम प्रकाश मिश्र (एडवोकेट कानपुर)

भौतिकवादी युग में पाश्चात्य सभ्यता एवं संस्कृति से हमारे बहुसंख्यक हिन्दू जन दिग्भगमित होते जा रहे हैं, समस्त विश्व में अभी तक एकमात्र नेपाल जैसा छोटा राष्ट्र हिन्दू राष्ट्र के रूप में संबोधित किया जाता था परंतु दुर्भाग्य है कि विश्व की राजनीति में यह किसी को पच नहीं पा रहा था, अस्तु उसे भी भारत जैसा पंथ निरपेक्ष राष्ट्र घोषित कर दिया गया अब हम समस्त विश्व में किसी भी देश को हिन्दू राष्ट्र नहीं कह सकते। ऐसी स्थिति में हम सभी को आज पारस्परिक भेदभाव व जातीय संकीर्णता को भुलाते हुए एकजुट होकर संगठित हो जाना चाहिए।

भारतीय राजनीति में आज चाहे जो दल हो सभी का मात्र सत्ता के प्रति आकर्षण रह गया है। कहने का आशय यह है कि वास्तव में किसी को न तो देश हित की चिंता है और न अपने मूलभूत सिद्धांतों के अनुपालन की इसलिए हमारी सरकारें एक ओर तो पंत निरपेक्षता तथा धर्म निरपेक्षता का ढिंढोरा पीटती हैं और दूसरी ओर धर्म के नाम अल्प संख्यकों को चार विवाह करने की खुली छूट दिये हुए है। हिन्दू शिक्षण संस्थानों में सरकारी शिकंजा कसता जा रहा है, और अल्प संख्यक शिक्षण संस्थाओं को अपनी मन मर्जी से प्रवेश लेने, अध्यापक नियुक्त करने आदि की खुली छूट प्राप्त है। हम जब समान नागरिक संहिता की मांग करते हैं तो हमें सांप्रदायिक कहा जाता है क्या यही पंथ निरपेक्षता है? इस पर गहन विचार विमर्श करने की आवश्यकता है।

आज स्थान-स्थान पर विनाशकारी आतंकवाद का विप्लव हमारे हिन्दू जनों को विशेष रूप में काश्मीर में समूलोंच्छादित कर रहा है। इस संबंध में शासन प्रशासन कोई भी कड़ा कदम न उठाकर भारत और पाक के मध्य विभिन्न यात्राओं के माध्यम से उन्हीं भारत मे प्रवेश की अनुमति प्रदान की जा रही है। जिसका परिणाम है आतंकवादियों का रामलला परिसर, वाराणसी के संकट मोचन मंदिर में व हमारी संसद तक पर हमला करने का दुस्साहस कर बैठे। आज हमारे देश में हिन्दू नागरिकों को द्वितीय श्रेणी का माना जाये तो अनुचित न होगा।अगर यहां का कोई हिन्दू अपनी किसी धार्मिक समस्या को प्रकट करता है तो शसन प्रशासन उसे सांप्रदायिक कहता है और यदि हिन्दू संप्रदाय से भिन्न किसी संप्रदाय अथवा जाति द्वारा कोई घोर सांप्रदायिक मांग रखी जाती है तो उसकी पूर्ति तत्काल की जाती है, आज हमारे शताब्दियों पूराने धार्मिक क्षेत्र असुरक्षित हो गये हैं। कब कहां कौन सा घटनक्रम घटित हो जाये कुछ कहा नहीं जा सकता।

संघेशक्ति कलयुगे के आधार पर हम अपने सभी हिन्दू जनों से अनुरोध करते हैं कि आप अपने समाज परिवार व राष्ट्रहित के प्रति समपर्ण की भावना से संगठित होकर हिन्दू विरोधी परिस्थितियों को जड़ से नष्ट कर दें। इसी से हम अपने को सुरक्षित रख सके अंत में पुनः हम आप सभी का हृदय से अभिनंदन व स्वागत करते हैं।

सर्वे भवन्तुसुखिनः, सर्वे संतु निरामया।
सर्वे भद्राणिपश्यन्तु, मां कश्चित् दुख भाग्भवेत्।।

सभी राजनीतिक दल गरीबों के साथ ही गद्दारी करते हैं रोना रोते हैं

सं. नरेंद्र गौतम, जालंधर

एक कार सड़क पर चलती है। पेट्रोल विदेशों से आता है भारत का धन मुस्लिम देशों में जाता है जिसे वो हमारे ही खिलाफ खर्च करते हैं। कार प्रदूषण फैलाती है लोगों को बीमार करके होस्पीटल में भेजती है और बीमारी पर घर लुटता है। एक कार 6 रेहड़ियों या रिक्शों की जगह घेरती है। रेहड़ी प्रदूषण नहीं फैलाती है। 6 व्यक्ति 6 परिवारों का पेट पालतें हैं। कारें ज्यादातर ऐश आराम के लिए चलती हैं। कार में ज्यादातर एक या दो व्यक्ति होते हैं रेहड़ी वाले रिक्शे वाले वोट देने जरूर जाते हैं और कारों वाले चुनाव के दिन घर बैठकर आराम से टीवी देखते हैं गप्पे मारते हैं या बाहर घूमने निकल जाते हैं रेहड़ियो वाले रिक्शा वाले मेहनत करके पेट पालते हैं भ्रष्टाचार में भी 99% लिप्त नहीं होते हैं। ईमानदारी व मेहनत से काम करते हैं। कितनी बिडम्बना है भारत में रेहड़ियों, रिक्शों पर पुलिस एमसीडी डंडा बरसाती है और हराम खोर उनसे भी रिश्वत लेते हैं। कार वाले नित्य नई मांगे रखते हैं कानून को अपने हाथ में रखते हैं। गरीबों का उत्थान राष्ट्र उत्थान है। ईश्वर की सच्ची पूजा है। परोपकार है। क्या गरीबों को मेहनत करके कमाने का अधिकार भी नहीं है? ऐसा सिस्टम बनाओं कि ट्रैफिक भी बाधित न हो और गरीब परिवार भी बेरोजगारी दूर कर सके।

केहराम सा मचा हे सरे आम?

लेखक- डॉ. अनिल कुमार

क्यों कोहराम सा मचा है सरेआम,
क्यों सिसकती है जिन्दगी सुबहो शाम।
क्यों लाज का आंचल दागदार हो रहा है,
क्यों हर दूसरी गली में बलात्कार हो रहा है।
क्यों इंसानियत का पाठ भुला बैठा है सांसो आम,
क्यों कोहराम सा मचा है सरेआम।
क्यों सिसकती है जिन्दगी सुबहो शाम।
क्यों मां के दूध का तिरस्कार हो रहा है,
क्यों हर दूसरी गली में बलात्कार हो रहा है।
क्यों मर्यादाओं का मान भुला बैठा है इंसान,
क्यों कोहराम सा मचा है सरेआम।
क्यों किसी का दर्द किसी की आंखों को नहीं भिगाता,
क्यों किसी का जख्म किसी को गमजदा नहीं कर जाता।
क्यों किसी को किसी से नहीं इफितकार हो रहा है,
क्यों हर दूसरी गली में बलात्कार हो रहा है।
क्यों भूल बैठे कि ये है गौतम की भूमि और यहीं जन्में थे राम,
क्यों कोहराम सा मचा है सरेआम।।

हिज्बुल की धमकी, कश्मीर के पंचायत चुनाव लड़े तो आंख में डालेंगे ऐसिड

श्रीनगर। कश्मीर में सक्रिय आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन एक बार फिर चर्चा में है। हिज्बुल कमांडर की तरफ से जारी एक ऑडियो में कश्मीरी जनता को चेतावनी दी गई है कि अगर लोगों ने पंचायत चुनाव लड़ा तो उनकी आंखों में ऐसिड डाल दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस ऑडियो क्लिप में संगठन की तरफ से पूर्व में भी चुनाव दौरान हत्या करने का दावा किया गया है।

स्पष्ट कर दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ऑडियो क्लिप में पहली बार सार्वजनिक तौर पर घोषणा की गई है कि पूर्व के चुनावों मेंहिज्बुल मुजाहिदीन की तरफ से लोगों को सबक सिखाने के लिए हत्या की गई है। ऑडियो क्लिप के अनुसार, 2016 में आपने देखा कि कितने कश्मीरी युवाओं को पैलेट गन इस्तेमाल के कारण अपनी आंखें खोनी पड़ी। इस साल हमने फैसला किया है... जो लोग कश्मीर पंचायत चुनाव लड़ेंगे उनकी आंखों मे जलनशील ऐसिड डाल दिया जाएगा।

हिज्बुल के आपरेशनों के कमांडर रियाज नाइको के नाम से यह ऑडियो क्लिप वायरल हो रही है। रियाज ने कहा, कश्मीर पंचायत चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की आंखों में ऐसिड डाला जाएगा। इससे उनकी आंखों की रोशनी चली जाएगी और वह अपने परिवार पर बोझ की तरह हो जाएंगे। पिछले 28 साल से हम चुनाव लड़ने वालों को धमकी देते रहे हैं, लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा। पिछले चुनावों में आपने देखा कि कितने लोगों की मौत हुई कुछ को भारतीय एजेंसियों ने मारा और कुछ को हमने मारा।

2011 में हुए पंचायत चुनावों में कश्मीर में 80 फीसदी के करीब ऐतिहासिक वोटिंग हुई थी। दक्षिणी कश्मीर के डीआईजी एसपी पाणि ने इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा, मैंने ऑडियो क्लिप के बारे में सुना है, लेकिन अभी तक व्यक्तिगत तौर पर नहीं देखा। फिलहाल मैं कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकता।

हाफिस सहिद की भारत को धमकी

लाहौर। ईद पर कुर्बानी वाले पशुओं की खाल बेचने वाला आतंकियों का सरगना मुंबई हमले का मास्टरमाइंड, जो न्यूज चैनल पर धमकी देने वाला तथा अमेरिका द्वारा घोषित इनामी आतंकी पाक की नजर बंद कानून से 10 माह के बाद हाफिज सईद पाक की राजनैतिक पार्टी में आने के बाद भारत को खुलेआम धमकी दे रहा है वह पाक के लोगों को एकत्रित कर 1971 पाक बांग्लादेश की हार का बदला कश्मीर को भारत से आजाद कराने के लिए पाक की जनता को उकसा रहा है। तमाम मानव जाति का दुश्मन अमेरिका तथा संयुक्त राष्ट्र संघ को नजर नहीं आ रहा है जो कश्मीर में खून खराबा करना चाहता है।

पीएम के समर्थन में उतरी मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक पर

मुजफ्फरनगर। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा ह्यमुस्लिम वीमेन प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन मैरिज बिलह्ल को मंजूरी मिलने के बाद तीन तलाकपीड़िताओं में खुशी की लहर दौड़ गई है। अल्पसंख्यक मोर्चा के दर्जनों महिला और पुरुष कार्यकर्ताओं ने शिव चौक पर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन किया।

इस दौरान लोगों ने नारे लगाते हुए कहा– नरेंद्र मोदी शेर–ए–हिंदुस्तान बताया। इसके साथ ही गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर खुशी का मनाते हुए एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई। अल्पसंख्यक मोर्चा की कार्यकर्ता रूबी ने बताया– हम यहां गुजरात और हिमाचल में भाजपा की जीत को लेकर खुशी का इजहार करने के लिए एकत्रित्र हुए हैं। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मुस्लिम वीमेन प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन मैरिज बिल को मंजूरी दी है वो सही है हम उसका समर्थन करते हैं।

क्या है बिल में : बता दें कि केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार (15 दिसंबर) को मुस्लिम वीमेन प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन मैरिज बिल को मंजूरी दे दी। इस बिल के तहत यदि पति, पत्नी को एक बार में तीन तलाक देता है तो उसे जेल हो सकती है और पति को जमानत भी नहीं मिल सकेगी। इसके अलावा पत्नी और बच्चों के लिए हर्जाना भी देना पड़ेगा। अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिपल तलाक को गैरकानूनी करार दिया था। इसके बाद भी देश में ट्रिपल तलाक से जुड़े कुछ मामले सामने आए थे। सरकार की तरफ से कहा गया था वो तीन तलाक पर रोक लगाने के लिए नया कानून ला सकती है।

मोदी के समर्थन में आईं ये मुस्लिम महिला : इससे पहले 7 दिसंबर, 2017 को केन्द्र सरकार के प्रस्तावित तीन तलाक कानून के समर्थन में मुस्लिम महिलाओं ने लखनऊके रोमी गेट पर इक्ट्ठा होकर पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। इसी तरह गोरखपुर और वाराणसी में मुस्लिम महिलाओं ने तीन तलाक के प्रस्तावित कानून के समर्थन में एकजुट हुईं थीं।

सावरकर टाइम्स द्वारा रिश्ते ही रिश्ते

कार्यालय :- गुलाबदेवी रोड गंदा नाला लोहे का रेलवे पुल, 33 श्याम नगर, जालंधर शहर

संचालक श्रीमति मधु मल्होत्रा

मो. **7837460375**

वैकल्पिक ऊर्जा मंत्रालय द्वारा प्रमाणित व Govt सब्सिडी के साथ

सोलर कुकर खरीदें

(रु. 3800 - 900 = रु. 2,00 केवल)

कुल कीमत सब्सिडी देय कीमत (टैक्स सहित)

• बिना ईधन (रोटी छोड़कर) सब कुछ बनायें • स्वादिष्ट भोजन (धीमी गति व सम्पूर्ण विटामिन युक्त) • समय बचायें प्रकृति के साथ • प्रदूषण रहित • भोजन गर्म रहता है व जलता नहीं • सुरक्षित, आग का डर नहीं • 2 वर्ष की गारंटी।

आर्ष इलैक्ट्रोनिक्स (प्रा. लि.) दिल्ली

सम्पर्क सूत्र : 09313478317, 09313478324